संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 269
पृष्ठ 8
शनिवार
21 जून 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- नारियल पानी भी सेहत को पहुंचा...

विचार- सिकल सेल रोग रौशनी का एक...

खेल- शुभमन गिल के कप्तान बनने पर...

अब पहचान का संकट नहीं, आजमगढ़ बना अदम्य साहस का गढ़ : योगी

आजमगढ़, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार आजमगढ़ में गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस वे का लोकार्पण किया। राज्य को विकास के नए आयामों पर ले जाने का प्रतीक बना लिंक एक्सप्रेसवे 91.352 किलोमीटर लंबा है जिसे 7,283 करोड़ की लागत से तैयार किया गया है। सीएम योगी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच फीता काटकर एक्सप्रेसवे आम जनता के लिए समर्पित किया और खुद अपने काफिले के साथ गोरखपुर के लिए रवाना हो गए। इससे पहले आजमगढ़ के सलारपुर, फूलपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि पहले आजमगढ़ पहचान के संकट से जूझता था, लेकिन आज यह अदम्य साहस का गढ़ बन चुका है। यह उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और डबल इंजन सरकार के प्रयासों का परिणाम है, जो उत्तर प्रदेश को बीमारू राज्य से एक्सप्रेसवे प्रदेश के रूप में स्थापित कर रहा है। यह एक्सप्रेस वे आजमगढ़ के साथ अंबेडकर नगर, संत कबीर नगर और गोरखपुर को विश्वस्तरीय कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। आजमगढ़ से गोरखपुर तक लिंक

एक्सप्रेसवे पूर्वी उत्तर प्रदेश को विकास की मुख्यधारा से जोड़ रहा है। यह कनेक्टिविटी पटना से दिल्ली तक की यात्रा को आसान बनाएगी। 2017 में केवल दो एक्सप्रेसवे यमुना और आगरा–लखनऊ थे जिसमें आगरा–लखनऊ अधूरा ही था जिसे डबल इंजन की सरकार ने पूरा किया, लेकिन 340 किलोमीटर का पूर्वांचल एक्सप्रेस वे, 300 किलोमीटर का बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे और 91 किलोमीटर का गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस वे चालू हो चुके हैं। गंगा एक्सप्रेसवे 600 किलोमीटर लखनऊ–कानपुर, बलिया लिंक सहित छह एक्सप्रेसवे निर्माणाधीन हैं। दिल्ली–मेरठ एक्सप्रेसवे ने 3 घंटे की दूरी को 40–45 मिनट में सिमटने का गौरव हासिल किया है। सीएम योगी ने कहा कि इस वर्ष के अंत तक गंगा एक्सप्रेसवे का लोकार्पण प्रधानमंत्री करेंगे और इंफ्रास्ट्रक्चर इतना मजबूत होगा कि उत्तर प्रदेश को समृद्ध होने से कोई रोक नहीं सकेगा। 2047 में भारत एक विकसित भारत होगा। विकसित भारत के लिए विकसित और आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश बनाने के दिशा में डबल इंजन की भारतीय जनता पार्टी की सरकार के द्वारा किए गए प्रयासों का एक प्रतिफल है कि उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य से अब एक्सप्रेसवे प्रदेश के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। सीएम योगी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि 2017 से पहले सड़कों का हाल ऐसा था कि गड्ढे में सड़क थी या सड़क में गड्ढा,

● सीएम ने जनता को समर्पित किया गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस वे

पता ही नहीं चलता था। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का शिलान्यास तो हो गया था, लेकिन जमीन तक नहीं खरीदी गई थी। 15,200 करोड़ में 110 मीटर चौड़ा एक्सप्रेसवे बनाना चाहते थे, हमने उसे 120 मीटर चौड़ा करके 11,800 करोड़ में बनवाया। बचे हुए पैसों की डकैती किसकी होती, जनता समझती है। सीएम योगी ने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि पिछली सरकारें विकास की बजाय डी–कंपनी और दाऊद गिरोह के साथ साझेदारी करती थीं, सुरक्षा में सेंध लगाती थीं और आजमगढ़ को आतंक का गढ़ बना दिया था। 2007–08 में शिवली नेशनल कॉलेज में अजीत राय की हत्या वंदे मातरम गाने की वकालत के लिए हुई थी, लेकिन अब ऐसा दुस्साहस कोई नहीं कर सकता। आज कोई प्रदेश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने की कोशिश करता है तो उसके लिए यमराज का टिकट पहले से कट जाता है।सीएम योगी ने कहा कि अब देश और प्रदेश की सुरक्षा पर कोई समझौता नहीं होगा। ऑपरेशन सिंदूर, सर्जिकल और एयर स्ट्राइक इसके उदाहरण हैं। सीएम ने 60,244 पुलिस भर्ती का उदाहरण देते हुए कहा कि बिना सिफारिश या पैसे के हर जाति–संप्रदाय के युवा, जिसमें 12,045 बेटियां शामिल हैं, नौकरी पा रहे हैं। 2017 से पहले चाचा–भतीजा वसूली के लिए निकलते थे, लेकिन अब सबका साथ, सबका विकास हो रहा है। सीएम योगी ने कहा कि पहचान के संकट से जूझ रहे आजमगढ़ ने दो–दो मुख्यमंत्री दिए, लेकिन उसे पहचान नहीं मिल सकी। आज डबल इंजन की सरकार की वजह से आजमगढ़ विकास की मुख्यधारा में शामिल हो चुका है। यह लिंक एक्सप्रेसवे न सिर्फ आजमगढ़ को गोरखपुर से जोड़ेगा, बल्कि पूरे पूर्वांचल को एक नई गति देगा। सीएम योगी ने कहा कि पहले आजमगढ़ के नाम से लोग डरते थे। 2017 के बाद डबल इंजन की सरकार ने आजमगढ़ की साड़ी, ब्लैक पॉटरी और हरिहरपुर के संगीत घराने को नई पहचान दिया। सीएम योगी ने लिंक एक्सप्रेसवे के निर्माण कार्य लेकर लगाई गई सैंड व फोटो प्रदर्शनी को देखा।

बिहार को मिली नयी वंदे भारत एक्सप्रेस, नयी रेल लाइन की सौगात

पटना, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार को एक और वंदे भारत एक्सप्रेस की शुक्रवार को सौगात दी और वैशाली से देवरिया तक नयी रेल लाइन एवं एक नयी ट्रेन सेवा का उद्घाटन किया। श्री मोदी ने सीवान में आयोजित एक कार्यक्रम में वीडियो लिंक के माध्यम से हरी झंडी दिखाकर पाटलिपुत्र और गोरखपुर के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को पाटलिपुत्र रेलवे स्टेशन से रवाना किया। श्री मोदी ने वैशाली से देवरिया (उत्तर प्रदेश) तक नई ट्रेन सेवा 29 किलोमीटर की नयी लाइन एवं दोनों स्टेशनों के बीच का उद्घाटन किया। देवरिया और वैशाली के बीच के क्षेत्र के विकास को नया आयाम मिलेगा। क्षेत्र में रोजगार के नए अवसरों का सृजन होगा और कृषि उत्पादों की बाजार तक तीव्र पहुँच सुनिश्चित होगी। पाटलिपुत्र स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में पटना साहिब संसदीय क्षेत्र से निर्वाचित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद, बिहार सरकार

में मंत्री नितिन नवीन, पाटलिपुत्र से पूर्व सांसद रामकृपाल यादव उपस्थित थे। जबकि पाटलिपुत्र की सांसद मीसा भारती समारोह में नहीं दिखाई दीं। श्री प्रसाद ने संवाददाताओं से कहा, "बिहार का विकास प्रधानमंत्री के दिल में है। जब भी वह बिहार आते हैं, हजारों करोड़ की विकास परियोजनाएं यहां एक वास्तविकता बन जाती हैं। हम यहाँ वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाने आए हैं। प्रधानमंत्री वास्तव में बिहार राज्य को पसंद करते हैं और इसके विकास को लेकर चिंतित हैं।" देश में वंदे भारत एक्सप्रेस श्रृंखला की यह 71वीं जोड़ी ट्रेन सेवा है। यह गाड़ी 384 किलोमीटर की दूरी सात घंटे में तय करेगी। मार्ग में इसका ठहराव उत्तर प्रदेश के गोरखपुर, कप्तानगंज, पनियहवा और बिहार के बगहा, नरकटियागंज, बेतिया, सगौली, बापूधाम मोतिहारी, मुजफ्फरपुर, हाजीपुर, पाटलिपुत्र स्टेशन पर होगा। इस ट्रेन के माध्यम से चंपारण, वैशाली और कुशीनगर जैसे स्थानों पर सैलानी भी आसानी से पहुंच पाएंगे जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। गोरखपुर से 26502 अप ट्रेन सुबह 5:40 बजे चल कर दोपहर 12:45 बजे पाटलिपुत्र स्टेशन पहुंचेगी तथा वापसी में पाटलिपुत्र से दोपहर 3:30 बजे रवाना हो कर रात 10:30 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। इस सेवा के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस एक ट्रेन सेट लगाया गया है। यह सप्ताह में

पुरुलिया में दो वाहनों की भिडंत में नौ लोगों की मौत

कोलकाता, एजेंसी। झारखंड की सीमा से लगे पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले में शुक्रवार सुबह भारी भरकम सामान से लदे बड़े ट्रक और जीप की भिड़ंत में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना पुरुलिया–जमशेदपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर नामसोल में आज तड़के हुई। ये सभी लोग विवाह समारोह में शामिल होने के बाद बोलेरो जीप से घर लौट रहे थे। सभी पीड़ित पड़ोसी राज्य झारखंड के निमड़ी क्षेत्र के निवासी थे। मृतकों की अभी पहचान नहीं हो पायी है। पुलिस ने बताया कि 18 पहियों वाले बड़े ट्रक और जीप की भिड़ंत के बाद ट्रक भी पलट गया। जीप में सवार सभी लोगों की मौत हो गयी है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

'आप' नेताओं ने जो किया उन्हें भुगतना पड़ेगा : रेखा गुप्ता

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं ने जो किया उन्हें उसका अंजाम भुगतना पड़ेगा। श्रीमती गुप्ता ने 'आप' नेता मनीष सिसोदिया को क्लासरूम घोटाला मामले में दिल्ली की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) द्वारा पूछताछ के लिए बुलाये जाने पर पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद

केजरीवाल पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा,"जल्द ही इन सभी को कोर्ट में पेश होना पड़ेगा। अभी तो अरविंद केजरीवाल को भी पंजाब से दिल्ली लौटना पड़ेगा।" उन्होंने 'आप'नेताओं को भगोड़ा करार देते हुए कहा,"दिल्ली की जनता को ऐसे नेताओं की जरूरत नहीं है। जो कर्म किया है उसे भुगतना पड़ेगा।"

मोदी ने राष्ट्रपति मुर्मु को दी जन्मदिन की बधाई

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के जन्मदिन पर उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दीं। श्री मोदी ने सोशल मीडिया साइट 'एक्स' पर राष्ट्रपति के नेतृत्व और सार्वजनिक सेवा को देश के लोगों के लिए प्रेरणास्रोत बताया। प्रधानमंत्री ने कहा, " राष्ट्रपति को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। उनका जीवन और नेतृत्व देश भर में लाखों लोगों को प्रेरित करता रहेगा। सार्वजनिक सेवा, सामाजिक न्याय और समावेशी विकास के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता सभी के लिए आशा और शक्ति की किरण है।" श्री मोदी ने कहा, "श्रीमती मुर्मु ने हमेशा गरीबों और वंचितों को सशक्त बनाने के लिए काम किया है। ईश्वर उन्हें लोगों की सेवा करने के लिए दीर्घायु और स्वस्थ जीवन प्रदान करें।"

हैदराबाद में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के बाहर इजरायल विरोधी प्रदर्शन, कई हिरासत में लिए गए

हैदराबाद, एजेंसी। हैदराबाद के गाचीबोवली इलाके में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के बाहर वामपंथी संगठनों द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन के दौरान कई लोगों को हिरासत में लिया गया। आयोजकों के अनुसार, यह प्रदर्शन ईरान पर इजरायल के हालिया हवाई हमलों की निंदा करने और फिलिस्तीन के लिए न्याय की मांग करने के लिए आयोजित किया गया था। प्रदर्शनकारियों ने इजरायल की आक्रामकता की निंदा करते हुए नारे लगाए और हिंसा को समाप्त करने के लिए तत्काल अंतर्राष्ट्रीय हस्तक्षेप का आह्वान किया।

भाजपा जनता का ध्यान भटकाने के लिए 'आप' नेताओं के खिलाफ करा रही जांच : आतिशी

नयी दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) की नेता एवं विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की चार इंजन की सरकार दिल्ली में हर मोर्चे पर विफल है इसलिए वह जनता का ध्यान भटकाने के लिए 'आप नेताओं पर फर्जी मामला लगाकर जांच करने का ड्रामा कर रही है। सुश्री आतिशी ने आज यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि 'आप' के वरिष्ठ नेता एवं दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को एक फर्जी क्लास रूम घोटाले के नाम पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा पूछताछ के लिए बुलाया गया है। दस साल से भाजपा की केंद्र सरकार और उसकी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केन्द्रीय जांच ब्यूरो(सीबीआई), इनकम टैक्स, दिल्ली पुलिस समेत अलग–अलग एजेंसियों ने 'आप' नेताओं पर झूठे और फर्जी मामले लगाए हैं। उन्होंने कहा," पिछले 10 साल में भाजपा की एजेंसियों ने 'आप' नेताओं पर दो सौ से ज्यादा केस लगाए हैं, लेकिन इन 10 सालों में ईडी, सीबीआई, दिल्ली पुलिस और एसीबी द्वारा

सारी जांच, रेड और फाइलें देखने के बाद भी आम आदमी पार्टी के एक भी नेता से भ्रष्टाचार का एक भी पैसा आज तक नहीं मिला है। आम आदमी पार्टी का कोई भी ऐसा नेता नहीं हैं, जिसके घर पर सीबीआई, ईडी की रेड नहीं हुई है। 'आप' के लगभग सभी बड़े नेताओं के बैंक लॉकर और खातों को खंगाला जा चुका है। 'आप' नेताओं के पैतृक गांव, ऑफिस आदि हर जगह जांच की जा चुकी है, लेकिन भ्रष्टाचार का एक रुपया भी किसी नेता के पास नहीं मिला है।" 'आप' नेता ने कहा कि पिछले 10 साल दिल्ली में 24 घंटे बिजली आ रही थी लेकिन भाजपा की सरकार बनने के बाद से लंबे–लंबे पॉवर कट लग रहे हैं। बिजली कटौती के के साथ ही बिजली के दाम भी बढ़ गए हैं। उन्होंने कहा," एक तरफ सड़कों पर बारिश का पानी भर रहा है और दूसरी तरफ़ लोगों के घरों में नल से पानी नहीं आ रहा है। भाजपा की सरकार लोगों को पानी देने में विफल है। दिल्ली में जल भराव को लेकर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कह ही दिया है कि डेढ़ घंटे तक सड़क पर पानी भरना समान्य बात है। दिल्ली के लोग इस बात का दुख मना रहे हैं कि उन्होंने भाजपा को वोट देकर गलती कर दी। दिल्ली में काम न करना पड़े, इससे ध्यान भटकाने के लिए भाजपा ने फिर से फर्जी केस का सिलसिला शुरू कर दिया है।"

ईरान से लाये गये सभी 94 कश्मीरी छात्र सुरक्षित कश्मीर पहुंचे

श्रीनगर, संवाददाता। युद्ध प्रभावित ईरान से लाये गये जम्मू–कश्मीर के सभी 94 छात्र सुरक्षित रूप से कश्मीर पहुंच गये हैं। केन्द्र सरकार ने इजरायल –ईरान युद्ध के मद्देनजर ईरान से भारत लौटने के इच्छुक भारतीय नागरिकों को वहां से स्वदेश लाने के लिए आपरेशन सिंधु चलाया है। इसके तहत 110 भारतीय छात्रों का पहला जत्था बुधवार रात दिल्ली लाया गया जिनमें जम्मू –कश्मीर के 94 छात्र शामिल थे। ये सभी छात्र उर्मिया मेडिकल यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे थे और उन्हें आर्मेनिया और दोहा के रास्ते निकाला गया।

जम्मू– कश्मीर स्टूडेंट्स एसोसिएशन(जेकेएसए) के अनुसार, कुछ छात्र गुरुवार को ही कश्मीर पहुंच गये थे, जबकि बाकी छात्र जो दिल्ली से डीलक्स बसों में रवाना हुए थे वे आज सुबह घाटी पहुंच गये। एसोसिएशन ने कहा, "हम विदेश मंत्रालय और उन सभी का आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने छात्रों की सुरक्षित और समय पर वापसी सुनिश्चित की। यह उनके परिजनों के लिए बहुत बड़ी राहत है।"

सुप्रीम कोर्ट ने मदुरै के विवादित मंदिर तोड़ने पर लगायी रोक

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने तमिलनाडु के मदुरै में विस्तारा रेजीडेंसी अपार्टमेंट परिसर में कथित तौर पर बिना अनुमति के बनाये गये मंदिर को तोड़ने पर शुक्रवार को रोक लगा दी और मदुरै निगम को नोटिस जारी किया। न्यायमूर्ति उज्जल भुयान और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने विस्तारा वेलफेयर एसोसिएशन की याचिका पर नोटिस जारी करते हुए यह अंतरिम आदेश पारित किया। एसोसिएशन की याचिका में मंदिर को गिराने का निर्देश देने वाले मद्रास उच्च न्यायालय के हाल के आदेश को चुनौती दी गई थी।

स्वास्थ्य क्षेत्र में पीएम ने किए बड़े सुधार:शाह

बंगलूरू/तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके नेतृत्व वाली सरकार की सराहना की। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने देश में स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं को एक समग्र दृष्टिकोण से सुलझाया है। शाह बंगलूरू में आदिचुंचनगिरी विश्वविद्यालय के नए परिसर के उद्घाटन के मौके पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा, हमारे नेता नरेंद्र मोदी ने कई साल पहले गुजरात में कहा था कि गरीबों की सबसे बड़ी समस्या बीमारी और उपचार पर खर्च है। सरकार को गरीबों के उपचार की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। आज मुझे गर्व है कि

● अंग्रेजी को लेकर केरल के मंत्रियों का पलटवार

प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी ने 60 करोड़ गरीबों को हर साल पांच लाख रुपये तक का मुफ्त उपचार करवाया है। शाह ने बताया कि मोदी सरकार ने स्वास्थ्य को लेकर कई पहलें शुरू की हैं, जिनमें 12 करोड़ घरों में शौचालय बनवाना, फिट इंडिया मूवमेंट, योग दिवस, मिशन इंद्रधनुष, पोषण अभियान, आयुष्मान भारत और भारतीय जनऔषधि परियोजना शामिल हैं। उन्होंने कहा, सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि एक नागरिक को मां के गर्भ में जन्म लेने से लेकर पूर्ण नागरिक बनने तक किसी बीमारी का सामना न करना पड़े और यदि वह बीमार होता है, तो उपचार महंगा न हो। गृह मंत्री ने यह भी बताया कि देश में डॉक्टरों की संख्या बढ़ाने के लिए बड़े कदम उठाए जा रहे हैं। 2014 में देश में 7 एम्स थे, अब 23 एम्स हैं। मेडिकल कॉलेजों की संख्या 387 से बढ़कर 780 हो गई है। उन्होंने बताया, 2014 में 51,000 एमबीबीएस सीटें थीं, आज यह संख्या 1,18,000 हो गई है। पीजी सीटें 31,000 से बढ़कर 74,000 हो गई हैं। यानी हर साल देश में 1,18,000 एमबीबीएस डॉक्टर और 74,000 स्पेशलिस्ट डॉक्टर तैयार हो रहे हैं।

जाँच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही भाजपा : सिसोदिया

नयी दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर राजनीति से प्रेरित होकर जाँच एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए कहा कि दिल्ली सरकार हर मामले में विफल हो गयी है। श्री सिसोदिया ने क्लासरूम घोटाला मामले में पूछताछ में शामिल होने दिल्ली की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) दफ्तर जाने से पहले पत्रकारों से शुक्रवार को कहा, "दिल्ली में शानदार स्कूल बने और अच्छी पढ़ाई हुई। दिल्ली में शिक्षा के क्षेत्र में बहुत शानदार काम हुआ जिसे सारा देश जानता है, लेकिन भाजपा राजनीति से प्रेरित होकर अपनी एजेंसी का दुरुपयोग करके इस मामले में

प्राथमिकी दर्ज करती है और फिर आज मुझे एसीबी ने बुलाया है। यह बात मैं एसीबी के सामने रखूंगा, लेकिन मैं यह कहना चाहता हूं यह पूरी तरीके से राजनीति से प्रेरित मामला है।" उन्होंने कहा कि भाजपा ने सारी एजेंसियों का दुरुपयोग करके पिछले 10 वर्षों में हमारे एक–एक नेता की पूरी जिंदगी खंगाल डाली, लेकिन इनको कुछ नहीं मिला। एजेंसियां केवल और केवल फर्जी प्राथमिकी करती है और बाद में कुछ भी नहीं निकलता है। इस मामले में भी यही होने वाला है। आप नेता ने कहा कि इस मामले के बारे में आप सबके संज्ञान में लाना चाहता हूं कि भाजपा के सांसद मनोज तिवारी ने उन पर यह आरोप लगाया था और जब मैंने उनके ऊपर मानहानि का मुकदमा किया तो वह जमानत लेकर अभी भी बचे हुए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा जनता का ध्यान भटकने के लिए इस तरह के मामले दर्ज करती है। उन्होंने कहा कि जब से दिल्ली में भाजपा की सरकार आई है लगातार बिजली कटौती हो रही है, प्राइवेट स्कूल मनमानी फीस वसूल रहे हैं, सड़कों का बुरा हाल है और एक दिन की बारिश में राजधानी में चारों तरफ़ जल भराव हो गया।

बाथरूम में स्नान कर रही महिला को झांका, मुकदमा दर्ज

प्रयागराज। सिविल लाइंस स्थित एक आपार्टमेंट के फ्लैट में रहने वाली महिला ने सफाईकर्मी पर नहाते समय झांकने का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज करवाई है। महिला ने जब आरोपी को फटकार लगाई, तो वह गाली–गलौज पर उतार आया। महिला की तहरीर के अनुसार 17 जून को वह अपने फ्लैट के बाथरूम में स्नान कर रही थी। बाथरूम में लगा एग्जास्ट फैन खराब होने के कारण निकाल दिया गया था। सोसाईटी में काम करने वाला सफाईकर्मी शेरू निवासी खुल्दाबाद बाथरूम में झांक रहा था। जब महिला की नजर पड़ी, वह भागकर छिप गया। सिविल लाइंस थाने की पुलिस आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तलाश में जुटी है।

युवती से मारपीट, वीडियो वायरल करने की धमकी

प्रयागराज। सिविल लाइंस क्षेत्र के एक शोरूम की महिला कर्मचारी से मारपीट करने के बाद आरोपित युवतियों ने वीडियो वायरल करने की धमकी दी। पुलिस कार सवार एक अज्ञात युवक व दो युवतियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी है। शोरूम संचालक राहुल पांडेय ने बताया कि महिला कर्मचारी आकृति अग्रवाल ने अपनी स्कूटी सड़क किनारे खड़ी की थी। एक कार ने स्कूटी में पीछे से टक्कर मार दी। आकृति ने जब विरोध किया, तो कार सवार दो युवतियों ने मारपीट की। उन्होंने मारपीट का मोबाइल पर वीडियो भी बना लिया। साथ ही पुलिस से शिकायत करने पर वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी।

खुल्दाबाद पुलिस ने मुठभेड़ में दो बदमाशों को पकड़ा

प्रयागराज। खुल्दाबाद थाने की पुलिस ने शुक्रवार की भोर में मुठभेड़ में दो शातिर बदमाशों को पकड़ा। एक बदमाश के पैर में गोली लगी। उसे पुलिस ने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। दोनों बदमाशों पर अटाला स्थित एक रेस्टोरेंट बमबाजी व फायरिंग करने का आरोप है। अटाला स्थित बशीर अहमद के रेस्टोरेंट में बीते 15 मई की रात बाइक सवार बदमाशों ने ताबड़तोड़ तीन बम फेंक कर दहशत फैला दिया था। बदमाशों ने तमंचे से फायरिंग भी की गई थी। बशीर अहमद ने तीन अज्ञात नकाबपोश बदमाशों के खिलाफ खुल्दाबाद थाने में एफआईआर दर्ज करवाई थी। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस बदमाशों की तलाश में जुटी थी। पुलिस को शुक्रवार की भोर में मुखबिर से सूचना मिली कि बमबाजी करने वाले बदमाश खुल्दाबाद रेलवे ट्रैक के पास खड़े हैं। पुलिस टीम ने तत्काल घेरेबंदी कर बदमाशों को पकड़ने का प्रयास किया, तो बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की ओर से जवाबी कार्रवाई में आरोपी अब्दुल्ला के पैर में गोली लगी। इसके बाद पुलिस ने अब्दुल्ला ओर भानु को गिरफ्तार कर लिया। एडीसीपी नगर अभिजीत कुमार ने बताया कि मुठभेड़ में घायल को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। आरोपियों के खिलाफ विविध कार्रवाई कर जेल भेजा जाएगा।

89 करोड़ की लागत से बनेगा नया सर्किट हाउस

प्रयागराज। लखनऊ में जिस तरह से मुख्यमंत्री आवास के ठीक सामने अति विशिष्ट अतिथि गृह बना है, ठीक उसी तर्ज पर प्रयागराज में भी 89 करोड़ की लागत से नया अतिथि गृह (सर्किट हाउस) बनाए जाने की तैयारियां पूरी कर ली गई है। इसके लिए ना केवल राज्य संपत्ति विभाग की स्वीकृति मिल चुकी है बल्कि लोक निर्माण विभाग के निर्माण खंड एक ने टेंडर प्रक्रिया पूरी करके एजेंसी का भी चयन कर लिया है। अतिथि गृह स्ट्रैची रोड पर स्थित औद्योगिक न्यायाधिकरण एवं श्रम न्यायालय उप्र के परिसर में बनाया जाएगा। जिसके लिए 10 हजार स्क्वायर मीटर जमीन चिन्हित की गई है। निर्माण खंड एक की ओर से छह दिन पहले टेंडर प्रक्रिया पूरी करते हुए रामपुर की एक फर्म को निर्माण की जिम्मेदारी सौंपी है। फर्म की ओर से 30 जून तक अतिथि गृह के लिए निर्माण कार्य शुरू करने की तैयारी में है। खास बात है कि लखनऊ के अतिथि गृह की तरह यहां तीन ब्लॉक बनाया जाएगा। इसकी लागत 8904.28 लाख है। पहला मुख्यमंत्री ब्लॉक बनाया जाएगा, जोकि भूतल सहित चार मंजिला होगा। जबकि रेजिडेंशियल ब्लॉक व तीसरा डारमेट्री ब्लॉक होगा। यह दोनों ब्लॉक भूतल सहित पांच मंजिला बनाया जाएगा। इसके अलावा सेंट्रल लॉन, वाटर फाउंटेन, सेंट्रल पार्किंग व विजिटर पार्किंग की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। अतिथि गृह के निर्माण से संबंधित प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। निर्माण कार्य से संबंधित डिजाइन का कार्य हो रहा है। जिस दिन से कार्य शुरू होगा, उसके 18 महीने के अंदर निर्माण पूरा कर लिया जाएगा। नवीन कुमार शर्मा, अधिशाषी अभियंता निर्माण खंड एक

पीसीएस 2024 मुख्य परीक्षा के प्रवेश पत्र जारी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने 29 जून से दो जुलाई तक प्रस्तावित पीसीएस 2024 की मुख्य परीक्षा के प्रवेश पत्र गुरुवार को जारी कर दिए। आयोग के अनुसचिव ओंकारनाथ सिंह के अनुसार प्रयागराज व लखनऊ जिलों में सुबह नौ से 12 बजे तक तथा 2रू30 से 5रू30 बजे तक प्रस्तावित परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र आयोग की वेबसाइट ीजजचेरू//नचचेब.नच.दपब.पद से डाउनलोड कर सकते हैं। जिन अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र पर फोटो न हो, वे आईडी प्रूफ की मूल एवं छायाप्रति तथा पासपोर्ट साइज के दो फोटोग्राफ लेकर संबंधित केन्द्र पर उपस्थित हों, अन्यथा उन्हें परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। वहीं दूसरी ओर प्रारंभिक परीक्षा में सफल लेकिन विभिन्न कारणों से अनर्ह घोषित 60 अभ्यर्थियों की अपील भी आयोग ने निरस्त कर दी है। आयोग ने पांच जून को 259 अभ्यर्थियों के आवेदन निरस्त कर दिए थे। संबंधित अभ्यर्थियों को 11 जून तक अपील करने का अवसर दिया गया था। आयोग का कहना है कि अपील बलहीन होने के कारण निक्षेपित कर दी गई है। आयोग की ओर से 28 फरवरी को घोषित पीसीएस 2024 प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम में 947 पदों के सापेक्ष 15066 अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा के लिए सफल घोषित किया गया था।

543 शिक्षकों का हुआ अंतर जनपदीय तबादला

प्रयागराज। परिषदीय स्कूलों में कार्यरत 543 शिक्षकों का अंतर जनपदीय स्थानान्तरण हुआ है। बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव सुरेन्द्र कुमार तिवारी की ओर से गुरुवार को तबादला सूची जारी की गई। नौ जून से शुरू हुए ऑनलाइन आवेदन के लिए केवल 15 जिलों का विकल्प दिया गया था। इनमें रिक्त कुल 13266 पदों के सापेक्ष महज चार फीसदी शिक्षकों का ही तबादला हो सका है।

गलतफहमियां हैं रक्तदान की बाधा, बेहतर सेहत के लिए बनें रक्तदाता

प्रयागराज। रक्तदान को लेकर लोगों में तमाम भ्रांतियां हैं जिनकी वजह से लोग रक्तदान करने से कतराते हैं। देखा गया है कि जरूरत पड़ने पर अपने ही लोग रक्त देने से मना कर देते हैं। रक्तदाताओं ने इस प्रमुख समस्या पर चिंता जताते हुए इसके लिए जागरूकता मुहिम चलाने की सख्त जरूरत बताई। शहर में तमाम समाजसेवी संस्थाएं रक्तदान की मुहिम में लगी हैं जिससे बड़ी संख्या में लोगों के रक्त की जरूरत पूरी हो रही है। रक्तदाताओं से मिलकर इस मुहिम में आने वाली कठिनाइयों और उनकी अपेक्षाओं पर बात की गई।

रक्तदाताओं ने इस बात पर चिंता जताई कि लोग रक्त तो लेना चाहते हैं लेकिन देना नहीं चाहते। रक्तदाताओं को इस बात का बेहद मलाल है कि तमाम लोग रक्त तो देना चाहते हैं लेकिन निजी अस्पताल संचालक सरकारी ब्लड बैंकों पर भरोसा नहीं करते । हमारी धमनियों में दौड़ रहा रक्त इस बात का संकेत है कि हम जीवित हैं। रक्त हमारे शरीर के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। हमारी धमनियों में दौड़ रहा रक्त जीवित रहने, अंगों को ऑक्सीजन पहुंचाने और संक्रमण से लड़ने का काम करता है। शरीर में रक्त की कमी जानलेवा हो सकती है। विश्व रक्तदाता दिवस प्रति वर्ष 14 जून को मनाया जाता है। यह दिन उन सभी रक्तदाताओं के सम्मान में समर्पित होता है जो बिना किसी स्वार्थ के दूसरों की जान बचाने के लिए अपना खून दान करते हैं। वर्ष 2004 में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने डॉ. कार्ल लैंडस्टीनर के जन्मदिवस पर 14 जून को रक्तदाता दिवस मनाने की शुरुआत की। लेकिन जागरूकता के अभाव में लोग रक्तदान से बचते हैं। शहर में रक्तदाता दिवस पर तमाम स्वयंसेवी संस्थाएं शिविर आयोजित कर रक्तदान कार्यक्रम चलाती हैं। साथ ही पूरे वर्ष लोग इस अभियान में लगे रहते हैं। ऐसे लोग व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए आपस में जुड़े रहते हैं और संदेश मिलने पर रक्तदान कर जीवन बचाने का नेक काम करते हैं। इतने बड़े शहर में रक्तदाताओं की सीमित संख्या चिंताजनक है। बड़ी समस्या

यह भी है कि निजी अस्पताल के लोग सरकारी ब्लड बैंकों पर बिल्कुल भरोसा नहीं कर रहे । विश्व रक्तदाता दिवस पर स्वैच्छिक रक्तदाताओं ने रक्तदान के प्रतिशत में बढ़ोतरी के लिए जागरूकता अभियान चला कर इस मुहिम से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने की जरूरत बताई। रक्तदान की भ्रांतियां और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अमूमन लोगों में रक्तदान के लिए आयु को लेकर कनफ्यूजन रहता है। कई लोग जो ब्लड डोनेट कर सकते हैं, वे मानते हैं कि वे योग्य नहीं हैं, जबकि अधिकांश स्वस्थ वयस्क रक्तदान कर सकते हैं। 18 से 65 वर्ष का हर स्वस्थ व्यक्ति जिसका वजन कम से कम 45 किलोग्राम हो, रक्तदान कर सकता है। लोगों में यह गलत धारणा है कि रक्त बनने में बहुत समय लगता है और इससे कमजोरी आएगी। जबकि ऐसा है नहीं। मनुष्य का शरीर निकाले गए रक्त को कुछ घंटों के भीतर फिर से बना लेता है। एक गलत धारणा यह भी है कि कुछ खास ब्लड ग्रुप वाले लोगों को ही रक्त की जरूरत होती है, जबकि वास्तव में सभी ब्लड ग्रुप मूल्यवान होते हैं। यह सबसे बड़ा मिथक है कि रक्तदान जीवन में सिर्फ एक बार किया जा सकता है। जबकि स्वस्थ व्यक्ति हर 3 महीने में एक बार रक्तदान कर सकता है। रक्तदान के बाद शरीर जल्दी ही रक्त की भरपाई कर लेता है, जिससे नियमित रक्तदान संभव हो पाता है। रक्तदान से न केवल रोगी बल्कि रक्तदाता के लिए भी दूरगामी लाभ हैं। रक्तदान कर रक्तदाता न केवल अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है बल्कि एक स्वस्थ और अधिक परोपकारी समाज बनाने में भी योगदान देता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि रक्तदाता उन लोगों को जीवनरक्षक उपहार के रूप में रक्त प्रदान करता हैं, जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता होती है। रक्तदान के लिए सुझाव पर्याप्त मात्रा में पानी और अन्य तरल पदार्थ पीएं। रक्तदान से पहले पौष्टिक भोजन करें और अच्छी नींद लें। ढीले–ढाले कपड़े पहनें ताकि कोहनी तक आस्तीन आसानी से ऊपर हो सके। अगर कोई स्वास्थ्य समस्या हो, तो डॉक्टर से सलाह लें। रक्तदान के लिए मानसिक रूप से तैयार रहें और विश्वास रखें कि इससे किसी प्रकार की कोई हानि नहीं होगी। रक्तदान से जुड़े तथ्य एक बार रक्तदान करके हम तीन लोगों की जान बचा सकते हैं। 18 से 65 वर्ष का स्वस्थ व्यक्ति चाहे वह महिला हो या पुरुष, हर तीन महीने में रक्तदान कर सकता है। एक साल में तीन से चार बार रक्तदान किया जा सकता है। रक्तदान से शरीर में नई आरबीसीएस बनने की प्रक्रिया तेज होती है। रक्तदान करने से कमजोरी नहीं आती है और न ही प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर होती है। टैटू बनवाने के बाद रक्तदान करने के लिए तीन महीने की अवधि तक प्रतीक्षा करनी चाहिए। रक्त दाता का टैटू सरकारी लाइसेंस वाले टैटू पार्लर से बनवाया गया होना चाहिए। जिन व्यक्तियों ने सिंगल यूज वाले उपकरण से पियर्सिंग करवाई है, वे बिना किसी समस्या के रक्तदान कर सकते हैं । रक्तदान करने के लिए डोनर के पास प्रति डेसीलीटर 12.5 ग्राम हीमोग्लोबिन होना चाहिए। रक्तदान के लाभ रक्तदान से सिर्फ रक्त लेने वाला मरीज ही नहीं, बल्कि रक्तदाता भी लाभान्वित होता है। नियमित रूप से रक्तदान करने से शरीर में आयरन की अधिकता कम हो सकती है, हृदय रोग का खतरा घट सकता है और वजन प्रबंधन में भी सहायक हो सकता है। अध्ययनों से पता चला है कि रक्तदान से रक्त में आयरन का स्तर संतुलित रहता है, जिससे दिल के दौरे और स्ट्रोक का खतरा कम हो सकता है। रक्तदान करके, हम न केवल दूसरों की मदद करते हैं बल्कि अपने हृदय को भी मजबूत बनाते हैं। इसके अलावा, रक्तदान से पहले एक त्वरित स्वास्थ्य जांच होती है, जिसमें रक्तचाप, हीमोग्लोबिन स्तर और पूरे स्वास्थ्य की जांच शामिल होती है। यह एक निःशुल्क मिनी हेल्थ चेकअप की तरह है, जो स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में अहम जानकारी देता है।जब हम किसी की मदद करते हैं, तो शरीर में फील–गुड हार्मोन एंडोर्फिन रिलीज होता है, जिससे मूड बेहतर होता है और तनाव कम होता है। आत्मसंतुष्टि और उपलब्धि की भावना का एहसास होता है। रक्तदान पुलिस मित्र कर रहा बेहतर कार्य रक्तदान के क्षेत्र में पुलिस मित्र का कारू ंबेहद सराहनीय रहा है। पुलिस मित्र की शुरुआत वर्ष 2017 में उत्तर प्रदेश पुलिस के मुख्य आरक्षी आशीष कुमार मिश्रा द्वारा किया गया था, जिसका उद्देश्य था की ब्लड के अभाव में किसी की जान न जाने पाए। पुलिस मित्र द्वारा अब तक उत्तर प्रदेश के 14 जनपदों में कुल 59 शिविर आयोजित किये जा चुके है तथा 3192 यूनिट रक्तदान कर लोगों की जान बचाई जा चुकी है। पुलिस मित्र के संरक्षक पूर्व आईजी कवींद्र प्रताप सिंह सेवानिवृत्ति के बाद भी लगातार रक्तदान करते आ रहे हैं। उनका कहना है कि पुलिस मित्र का सदैव प्रयास रहता है कि रक्त प्रत्येक जरूरतमंद को समय पर उपलब्ध हो। रक्तदान के प्रति सभी युवा जागरूक हों, हर घर रक्तदाता हो ताकि देश में रक्त की कमी से किसी की जान न जाने पाए। पुलिस मित्र की वेबसाइट पर जरूरतमन्दों की डिटेल्स आती है फिर पुलिस मित्र की टीम उस प्रकरण को वेरिफाई करती है। मरीज के घर, परिवार, रिश्तेदार, मित्र एवं अन्य सगे सम्बन्धियों ने ब्लड दिया कि नहीं। सभी प्रकार की जांच के बाद उन जरूरतमन्दों को ब्लड उपलब्ध करा दिया जाता है। रक्त कैंसर, थैलेसीमिया, गर्भवती महिलाओं, एक्सीडेंट, बच्चों इत्यादि को प्राथमिकता के आधार पर रक्त उपलब्ध कराया जाता है। वेबसाइट पर प्रकरण अप्लाई करने से ब्लड की प्राप्ति तक सभी प्रक्रिया निःशुल्क है द्य लोग बोले प्रयागराज जैसे विद्यार्थियों और समाजसेवियों के शहर में रक्तदान की दर चिंताजनक रूप से कम है। रक्तदान को लेकर फैली भ्रांतियों और डर को दूर करने की आवश्यकता है। वैज्ञानिक रूप से रक्तदान पूरी तरह सुरक्षित है और यह किसी की जिंदगी बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। हमारा एक छोटा सा कदम किसी की जिंदगी बचा सकता है। पुलिस मित्र की पहल को समर्थन दें और रक्तदान महादान में अपना योगदान दें! –विपिन कुमार कुशवाहा, सदस्य पुलिस मित्र, प्रयागराज रक्तदान पुनीत कार्य है। यह मानव जीवन की रक्षा ही नहीं करता, बल्कि हमें सामाजिक दायित्व का बोध भी प्राप्त होता है।

रिश्तेदार ने ही गायब कर दिए पूर्व सीएमओ के तीन एटीएम, खातों से किए लाखों चोरी

प्रयागराज। यूपी में प्रयागराज के लूकरगंज निवासी पूर्व सीएमओ डॉ इकबाल हुसैन के तीन अलग–अलग बैंक खातों के एटीएम कार्ड गायब कर साढ़े छह लाख रुपये की चोरी का मामला सामने आया है। हालांकि साइबर पुलिस ने शिकायत के आधार पर तीन आरोपित रिश्तेदार व परिचितों की बैंक खातों की जांच करने के बाद पूर्व सीएमओ को रुपये वापस कराया। पुलिस अब मामले की विवेचना कर आरोपितों के खिलाफ विधिक कार्रवाई में जुटी है।

पूर्व सीएमओ डॉ. इकबाल हुसैन ने 16 जून को साइबर थाने में एफआईआर दर्ज करवाई थी। उनकी तहरीर के अनुसार, बीते आठ मई की दोपहर उन्हें बेंगलुरु जाने के लिए फ्लाइट पकड़नी थी। उस वक्त उनके घर पर तीन रिश्तेदार व परिचित उनके कमरे में बैठे थे। इसी बीच तीनों ने उनके फेडरल बैंक, एक्सिस बैंक व पंजाब एंड सिंध बैंक का एटीएम कार्ड गायब कर दिया। जब वह बेंगलुरु

पहुंचे, तो बैंक खातों साढ़े छह लाख रुपये कटने के मैसेज आए। बताया जा रहा है कि उन्होंने तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। वहीं बेंगलुरु से लौटने के बाद साइबर थाने में मुकदमा दर्ज कराया। साइबर थाना प्रभारी राजीव तिवारी ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपितों के बैंक खातों की जांच में चोरी किए गए रुपये बरामद हुए हैं। डॉ इकबाल को उनके रुपये वापस कराया गया। मामले की विवेचना की जा रही है।

मोबाइल हैक कर खाते से उड़ाए 3.97 लाख रुपये

वहीं, प्रयागराज में जार्जटाउन के एक युवक को शातिरों ने झांसे में लेकर लाखों रुपये की चपत लगा दी। पीड़ित ने जार्जटाउन थाने में आईटी एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई है। जार्जटाउन निवासी सचिन दुबे ने पुलिस को बताया कि एक शातिर ने फोन कर कहा कि आप ने क्रेडिट कार्ड लिया हुआ है, जिसमें से 14 हजार रुपये आप खर्च कर चुके है। इसके लिए रिवार्ड प्वाइंट को कैश करा लीजिए, इसके लिए आप को एक वेबसाइट पर जाना होगा। जैसे ही वेबसाइट पर गया पीड़ित का फोन हैक कर लिया गया और उनके खाते से तीन लाख 97 हजार रुपये ट्रांसफर कर लिए गए। जार्जटाउन पुलिस ने खाते को फ्रीज करा दिया है।

साइबर अपराधियों को फर्जी सिम बेचने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

प्रयागराज। एसटीएफ लखनऊ की टीम ने साइबर अपराधियों को मोबाइल सिम बेचने वाले गिरोह के दो शातिर को प्रयागराज से गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपितों को लालगोपालगंज से गिरफ्तार करने के बाद एसटीएफ चित्रकूट लेकर रवाना हो गई। चित्रकूट पुलिस ने एक आरोपी संदीप पांडेय पर 25 हजार रुपये इनाम भी घोषित किया था। आरोपितों के पास से चार मोबाइल, 36 आधार कार्ड, 239 अनएक्टिवेटेड ब्लैंक सिमकार्ड, तीन एटीएम कार्ड, एक ड्राइविंग लाइसेंस, एक निर्वाचन कार्ड, दो पैनकार्ड, तीन बायोमैट्रिक स्कैनर व 6620 रुपये नकद बरामद हुआ है। एसटीएफ ने 15 मई को संगठित गिरोह के सरगना सहित छह सदस्यों को राजापुर जिला चित्रकूट से गिरफ्तार किया था।

आरोपितों से पूछताछ में

प्रयागराज के संदीप पांडेय का नाम सामने आने पर एसपी चित्रकूट ने 25 हजार रुपये घासी का पुरवा निवासी संदीप पांडेय और मलाका रजकपुर निवासी नौफील को गिरफ्तार इनाम घोषित किया था। एसटीएफ ने बुधवार की दोपहर लालगोपालगंज में दबिश देकर प्रतापगढ़ जिले के सुनियांवा किया।

पूछताछ में आरोपी संदीप पांडेय ने बताया कि टेलीकॉम कंपनी की डिस्ट्रीब्यूटरशिप लेकर संगठित गिरोह को ग्राहकों के आईडी का गलत इस्तेमाल कर मोबाइल सिम बेचने का काम करता था। एक साथ लगभग 200–300 सिमकार्ड गिरोह के सदस्य शिवदयाल व जितेंद्र कुमार निवासी कौशाम्बी को ऊंचे दाम पर बेच देते थे। वर्ष 2023 से शिवदयाल को सिमकार्ड बेच रहे थे। वहीं आरोपी नौफील ने बताया कि गांव के सिहान शेख को 100–200 की संख्या में एक साथ प्रति सिमकार्ड 250 रुपये की दर से बेचता था। सिहान शेख वर्तमान समय में मुम्बई में रहता है।

पहले ही उपन्यास से राष्ट्रीय स्तर पर चमकीं नेहा रूबाब

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय की शोध छात्रा नेहा रुबाब को जिस उर्दू उपन्यास 'मजहरुल हकरू तारीक–ए–आजादी–ए हिंद रू हिंद का फरामोश कर्दा कायद के लिए साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है। उसके पीछे उन्होंने छह महीने की मेहनत और शोध किया था। ऐसी उपलब्ध हासिल करने वाली वे विश्वविद्यालय की इकलौती छात्रा भी बन गई हैं। पीएम युवा लेखक सम्मान के अंतर्गत इस प्रोजेक्ट नेहा को नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी) की ओर से दिया गया था। इस प्रोजेक्ट को उन्होंने एक जनवरी 2022 से 30 जून 2022 के बीच पूरा कर एनबीटी को सौंप दिया था। इसके लिए नेहा ने खुदा बख्श लाइब्रेरी पटना, राज्य अभिलेखागार पटना, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय नई दिल्ली, सदाकत आश्रम पटना और इविवि की लाइब्रेरी में जाकर भारतीय स्वतंत्रता सेनानी व शिक्षाविद् मौलाना मजहरुल हक के जीवन के प्रत्येक पहलुओं को खोज खोजकर पढ़ा और उसे एकत्र किया था। नेहा ने बताया कि उपन्यास में मौलाना साहब की वास्तविक तस्वीर लगी हुई है जिसे सदाकत आश्रम में स्थित उनकी लाइब्रेरी से निकाला था। यह उपन्यास 120 पेज का है। इनकी एक कहानी 'वतन का सच्चा सिपाही जल्द ही प्रकाशित होने वाली है। जो नेशनल काउंसिल फॉर प्रमोशन ऑफ उर्दू लैंग्वेज में छपने को गई है। दो महीने पहले एनबीटी से बाल साहित्य पर केंद्रित 'रंग पंचमी प्रकाशित हो चुकी है, जिसको उन्होंने हिन्दी से उर्दू में अनुवाद किया है। युवा पुरस्कार में उर्दू की बढ़ी शान साहित्य जगत का प्रतिष्ठित साहित्य अकादमी पुरस्कार इस वर्ष सबसे बड़ी उपलब्धि लेकर आया है। अकादमी के युवा पुरस्कार से पहली बार नेहा के रूप में उर्दू भाषा के लिए चयन किया गया हैं। हालांकि यह अकादमी का युवा पुरस्कार है लेकिन इसके पहले साहित्य अकादमी पुरस्कार के लिए चयनित साहित्यकारों की लंबी फेहरिस्त है। जिसमें वर्ष 2023 में डॉ. नीलम सरन गौड़, वर्ष 2022 में प्रो. बद्री नारायण शर्मा व डॉ. जनार्दन प्रसाद पांडेय, वर्ष 2007 में प्रो. हरिदत्त शर्मा प्रमुख रूप से शामिल हैं।

मॉडल कॉलेज समहन के प्रिंसिपल बने रफीक

प्रयागराज। पं. दीन दयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज तेंदुआकाजी दोस्तपुर सुलतानपुर के प्रधानाचार्य मो. रफीक को पं. दीन दयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज समहन उरुवा का प्रधानाचार्य बनाया गया है। प्रयागराज के जिला विद्यालय निरीक्षक पीएन सिंह ने मो. रफीक को गुरुवार को कार्यभार ग्रहण कराया। प्रभारी प्रधानाचार्य लल्लन सिंह ने चार्ज दिया। प्रयागराज निवासी मो. रफीक इससे पहले यमुनापार के रामानुज इंटर कॉलेज कोहड़ार घाट में प्रवक्ता अंग्रेजी रह चुके हैं और उनका चयन पीसीएस 2021 के जरिए प्रधानाचार्य जीआईसी के पद पर हुआ था।

ईंधन और इंजन दोनों को बचाएगा नया सिलेंडर

प्रयागराज, अनिकेत यादव। मोटर इंजनों की दुनिया में एक अहम प्रगति करते हुए मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) के विशेषज्ञों ने एक नया इंजन सिलेंडर विकसित किया है, जिसमें पारंपरिक सिलेंडरों की तुलना में 38 प्रतिशत पिस्टन रिंग और सिलेंडर के बीच घर्षण और टूट–फूट में कमी आई है। दावा किया जा रहा है कि इस सिलेंडर से न केवल इंजन की कार्यक्षमता बढ़ेगी, बल्कि ईंधन की खपत में भी कमी आएगी। इस नवाचार से पर्यावरणीय प्रभाव भी घटेगा क्योंकि कम ईंधन खपत का मतलब कम कार्बन उत्सर्जन होगा।

भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने बदबूदार पानी की समस्या से निजात दिलाने की मांग की

मुजफ्फरनगर ।भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने परिक्रमा मार्ग पर पिछले एक वर्ष से भरे बदबूदार पानी की समस्या का स्थाई रूप से समाधान किए जाने की मांग की है। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत के निजी सचिव कमल मित्तल ने

इस सम्बन्ध में चौधरी राकेश टिकैत का पत्र जिलाधिकारी महोदय को सौंपते हुए कहा कि परिक्रमा मार्ग क्षेत्र में रहने वाले लोग पिछले एक वर्ष से नरकीय जीवन जी रहे हैं। परिक्रमा मार्ग पर टिकैत विहार एवं श्री राम कालेज के सामने पिछले एक वर्ष से सडक पर नाले से बदबूदार पानी भरा हुआ है। जिससे कई बार दुर्घटनाएं भी हुई हैं। परिक्रमा मार्ग पर बनाए गए नाले कीनिकासी न होने के कारण सारा गंदा पानी वही भर जाता है। जिलाधिकारी महोदय ने आश्वासन दिया कि उक्त नाले का पुनः निर्माण कराकर एवं सड़क निर्माण कराकर इस समस्या का स्थाई समाधान कराया जाएगा।

कलयुगी मुस्कान ही निकली अपने दो बच्चों की हथियारन, अवैध संबंधों के चलते दोनों बच्चों को खाने में दिया था जहर

अपने पति को नीले ड्रम में काटकर हत्या करने वाली की पत्नी का भी नाम मुस्कान ही था, वहीं अब दो बच्चों की हत्या करने वाली मां भी मुस्कान ही निकली

मुजफ्फरनगर। जनपद मुजफ्फरनगर की भोपा थाना क्षेत्र के अंतर्गत गांव रोड कली में कलयुगी मां ही बच्चों की निकली

हथियारन, प्रेम प्रसंग के चलते 5 साल के अरहान वह 1 साल की इनाया को खाने में जहर देकर उतारा मौत घाट, पोस्टमार्टम में जहर की पुष्टि के बाद पुलिस ने जब हथियारन मा से गहनता से पूछताछ की तो पुलिस ने कलयुगी हत्यारोपी की मा को किया अरेस्ट।

गरीबों को शिक्षा से दूर करने के लिए सरकारी स्कूलों का विलय कर रही सरकार

– स्कूलों के विलय से बढ़ेगा ड्रॉप आउट रेट

– हर शिक्षक से मेरा पारिवारिक संबंध, उनका दर्द मेरा दर्द : अखिलेश

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर स्कूलों के विलय, शिक्षकों के ट्रांसफर जैसे मुद्दों को लेकर निशाना साधा।उन्होंने कहा, नेताजी खुद शिक्षक थे, उनके अंदर का शिक्षक कभी खत्म नहीं हुआ, वो शिक्षक के रूप में हमेशा दिखाई दिए। एक शिक्षक का बेटा होने के नाते, हर शिक्षक से मेरा पारिवारिक संबंध है, उनका

दर्द मेरा दर्द है। शिक्षकों एवं अभिभावकों को जितनी जल्दी समझ में आ जाये कि भाजपा सरकार शिक्षक और शिक्षा के खिलाफ है उतनी जल्दी परिवर्तन के लिए जमीन बननी शुरू हो जाएगी। शिक्षा विभाग में दो लाख से अधिक पद खाली हैं लेकिन भर्ती नहीं की जा रही है। स्कूलों के विलय से शिक्षक भर्ती नहीं होगी। शिक्षामित्र और 69000 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थी लंबे समय से आंदोलन कर रहे लेकिन उनकी नहीं सुनी गई है। स्कूलों के विलय से ड्रॉप आउट रेट बढ़ेगा। सरकारी शिक्षकों का उत्पीड़न हो रहा है। उन्हें परेशान करने के लिए बिना इंफ्रास्ट्रक्चर डिजिटल अटेंडेंस सिस्टम लागू कर दिया गया है। सरकार को शिक्षकों की बात सुननी चाहिए। ट्रांसफर पोस्टिंग पर कहा, इसको लेकर सरकार में झगड़ा शुरू हो गया है।

अभिभावक-शिक्षक बैठक में देंगे स्कूलों के विलय की जानकारी, सुझाव भी लिया जाएगा

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश में शिक्षक संगठनों व प्रतियोगी छात्रों के विरोध के बीच परिषदीय विद्यालयों के विलय (पेयरिंग) की कवायद गति पकड़ रही है। इसके तहत बेसिक शिक्षा विभाग अब स्कूलों में अभिभावक शिक्षक बैठक (पीटीएम) में इसके बारे में जानकारी देगा। अभिभावकों को स्कूलों के विलय और नियमित कक्षाओं के संचालन की जानकारी देंगे। साथ ही उनके सुझाव भी लेंगे। महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा की ओर से सभी डायट प्राचार्य व बीएसए को नए सत्र की तैयारियों के लिए भेजे गए निर्देश में पीटीएम आयोजित करने को कहा गया है। उन्होंने कहा है कि कम नामांकन वाले विद्यालयों का स्थानीय परिस्थितियों व आवश्यकताओं को देखते हुए विद्यालयों के विलय के निर्देश दिए गए हैं। पीटीएम करके विद्यालयों के विलय व विद्यालयों में उपलब्ध कराई गई शैक्षणिक सामग्री, डिजिटल संसाधन, लाइब्रेरी के किताबों, खेलकूद सामग्री आदि से अभिभावकों को अवगत कराएं। अभिभावकों के सुझाव भी लिए जाएंगे और उनकी शंकाओं का समाधान भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 18381 विद्यालयों में स्मार्ट क्लास की स्थापना की गई है।

योग से मिलती है मानसिक शक्तिः प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी

वैदिक पुत्री पाठशाला इंटर कॉलेज नई मंडी में तीन दिवसीय योग शिविर सम्पन्न, छात्रों ने सीखे योगासन

मुजफ्फरनगर। भारत स्काउट और गाइड द्वारा वैदिक पुत्री पाठशाला इंटर कॉलेज नई मंडी में आयोजित तीन दिवसीय योग शिविर का शुक्रवार को समापन हो गया। शिविर में बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं और अध्यापकों ने भाग लिया। समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल रहे राष्ट्रीय सामाजिक संस्था के अध्यक्ष प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी ने कहा कि योग साधना से मानसिक रूप से हमें शक्ति प्राप्त होती है। योग और प्राणायाम अपनाकर ही हम स्वस्थ रहे सकते हैं, निरोगी बन सकते हैं। उन्होंने इसके लिए युवाओं को संदेश देकर योग को नियमित दिनचर्या बनाने के लिए प्रेरित भी किया।

इस कार्यक्रम का शुभारंभ 19 जून को जिला अधिकारी एवं स्काउट संस्था अध्यक्ष उमेश मिश्रा के नेतृत्व में हुआ। जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार श्रीवास के संरक्षण में आयोजित इस शिविर का संचालन जिला मुख्य आयुक्त डॉ. कंचन प्रभा शुक्ला, स्काउट कमिश्नर विजय कुमार शर्मा, सहायक गाइड कमिश्नर रेणु गर्ग, सचिव अनिल कुमार कौशिक और कोषाध्यक्ष सुनील शर्मा द्वारा किया गया।

विद्यालय की प्रधानाचार्य एवं जिला गाइड कमिश्नर डॉ. राजेश कुमारी ने समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी का स्वागत किया। बाल कल्याण विभाग से डॉ. राजीव कुमार भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। योग सत्र का संचालन राजकीय इंटर कॉलेज के पूर्व पीटीआई अशोक वर्मा ने किया। उन्होंने छात्र–छात्राओं और स्टाफ को प्राणायाम और विभिन्न योग मुद्राओं का अभ्यास कराया। मुख्य अतिथि समाजसेवी मनीष चौधरी ने योग को मानसिक व शारीरिक सुदृढ़ता का माध्यम बताया और विद्यार्थियों को निरंतर योग करने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर डीडीसी भारत भूषण अरोड़ा, श्रीमती प्रभा दहिया, ट्रेनिंग काउंसलर कुमारी ज्योति ने स्काउटिंग नियमों की जानकारी दी और सामूहिक योगाभ्यास कराया। विद्यालय की प्रवक्ता शैली रंजन, एसडी इंटर कॉलेज के प्रवक्ता अरविंद कुमार, वरिष्ठ लीडर ट्रेनर संतोष कुमार वर्मा और योग शिक्षक शगुन त्यागी की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत में डॉ. राजेश कुमारी ने छात्राओं से प्रतिदिन योग करने का आग्रह किया और 21 जून को डीएवी इंटर कॉलेज में आयोजित सामूहिक योग दिवस में भाग लेने का आवाहन किया। राष्ट्रगान के साथ शिविर का समापन हुआ।

मिलीभगत का ऐसा खेल चलता कि असली किरदार पकड़ से बाहर..!!'

अवैध खनन को शह देने वाले चाहे नेता हों या अफसर या फिर कोई और, समुचित सख्ती के बिना इस पर रोक असंभव तो नहीं लेकिन मुश्किल. !!'

–माफिया का सूचना तंत्र इतना मजबूत होता कि कभी प्रशासनिक अमला कार्रवाई की तैयारी भी करता तो उन्हें पहले से ही भनक लग जाती..!!'

मुजफ्फरनगर। एक तस्वीर ही काफी होती है कहानी बयां करने को। देश भर में खनन माफिया की करतूत किसी से छिपी नहीं है।पिछले दिनों ही छत्तीसगढ़ में तो रेत माफिया ने एक आरक्षक को ही ट्रॉली के नीचे कुचलकर मार दिया था और ऐसे कितने मामले है देश के अलग अलग राज्यों में व उनके शहरों में!जहां देखो वहां रेत माफिया नदी की कोख से रेत छानने व मिट्टी खोदने में लगे हुए हैं!ये तो महज बानगी है। एक दो नहीं हर राज्य में अवैध खनन की एक समान तस्वीरें सामने आती रहती हैं! कहना न होगा कि खनन की रोकथाम को लेकर प्रशासनिक स्तर पर होने वाली ढिलाई इन सबके लिए जिम्मेदार है! जब–तब दिखावे की कार्रवाई होकर रह जाती है!ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि ऐसे दौर में जब आसमान पर बादल डेरा डाल चुके हैं तब भी रेत और मिट्टी का अवैध खनन आखिर किसकी अनुमति से होता दिख रहा है।

बड़ी नदियों के आस–पास किसी भी शहर का दौरा कर लें वहां रेत के बड़े बड़े पहाड़ नजर आएंगे। जाहिर है ये स्टाक इकट्ठा इसलिए किया जा रहा है कि जब मानसून का समय हो तब रेत को मनमाने दामों पर बेचा जा सके। सवाल ये है आखिर मनमानी के ये मामले रुकते क्यों नहीं हैं?जवाब भी यही है कि ज्यादातर एक्शन सतही नजर आते हैं!कभी सुरक्षा बलों की कमी का बहाना बनाया जाता है तो कभी कोई और। माफिया का सूचना तंत्र इतना मजबूत होता है कि कभी प्रशासनिक अमला कार्रवाई की तैयारी भी करता है तो उन्हें पहले से ही भनक लग जाती है! कागजी छापों में एकाध ऐसे लोगों को पकड़ लिया जाता है जिनका खनन से दूर–दूर तक कोई वास्ता नहीं होता!इनमें ज्यादातर खनन कार्य में लगे श्रमिक होते हैं! अफसरों से मिलीभगत का ऐसा खेल चलता है कि असली किरदार पकड़ से बाहर होने में कामयाब हो जाते हैं!असल चेहरों के गिरेबान तक तो जिम्मेदारों के हाथ पहुंच ही नहीं पाते! ऐसे मामले भी सामने आ चुके हैं जिनमें रेत के अवैध खनन व परिवहन में नेताओं की प्रत्यक्ष व परोक्ष भूमिका सामने आती है!

अवैध खनन मे कभी कोई हादसा हो जाए तब जाकर प्रशासन हरकत में आता है। लेकिन कभी कोई यह विचार करने का प्रयास ही नहीं करता कि खनन को नियम–कायदों से बांधा जाए तो सरकारी राजस्व भी बढना तय है। लेकिन जब मिलीभगत का खेल हो तो इसकी चिंता भला कौन करे?अवैध खनन को शह देने वाले चाहे नेता हों या अफसर या फिर कोई और, समुचित सख्ती के बिना इस पर रोक असंभव तो नहीं लेकिन मुश्किल है।

शुकतीर्थ की पावन धरा पर 'योग सप्ताह' के अंतर्गत जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

ऐतिहासिक वटवृक्ष, शुकदेव आश्रम, शुकतीर्थ से 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025' मनाने हेतु किया आह्वान हनुमतधाम, शुकतीर्थ के प्रांगण में किया गया योगाभ्यास

श्री वि मुजफ्फरनगर सज्ञानानंद सरस्वती जी द्वारा योगदर्शन एवम अष्टांग योग के विषय में डाला प्रकाश, कहा कि ष्महर्षि पतंजलि ने पतंजल योगसूत्रष में योग की परिभाषा को ष्योगश्चित वृश्चित्त निरोधःष के रूप में वर्णित किया है एवम ष्अष्टांग योगष – यम, नियम, आसन,प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान तथा समाधि की व्याख्या की ही एवम भगवान श्री कृष्ण ने श्रीमद्भगवत गीता में लिखा है कि योगः कर्मशु कौशलम। अर्थात कर्मो में कुशलता ही योग है।

जनपद वासियों से अपील ष्एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योगष की थीम के साथ 21 जून को उत्सव के रूप में मनाएं """ डॉ राजीव

आज 20 जून 2025 को आदरणीय मंडलायुक्त महोदय श्री अटल कुमार राय के आदेश एवम जिलाधिकारी महोदय श्री उमेश मिश्रा के निर्देशन में ष्योग सप्ताहष के अंतर्गत योग के प्रचार प्रसार हेतु मुज़फ्फरनगर की ष धार्मिक नगरी शुकतीर्थष में डॉ राजीव कुमार द्वारा योग के प्रचार प्रसार हेतु किया गया जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की 10 वीं वर्षगांठष के उपलक्ष्य में 2025 में ष10 अनोखो सिग्नेचर इवेंटष योग संगम, योग बन्धन, योग पार्क, योग समावेश, योग प्रभाव, योग कनेक्ट, हरित योग,योग अनप्लगड, योग महाकुम्भ एवम संयोग को किया गया शामिल

योगाभ्यास कार्यक्रम में उपस्थित सभी को डॉ राजीव कुमार द्वारा 10 सिग्नेचर इवेंट्सष के विषय में दी गई जानकारी

उक्त कार्यक्रम का आयोजन आयुष विभाग मुज़फ्फरनगर, इंडियन योग एसोसिएशन उत्तर प्रदेश स्टेट चौप्टर कमेटी, आई एन ओ तथा एन आई एच के सहयोग से किया गया। योग कार्यक्रम में पंडित दीपक कृष्णात्रेय,प्रतिष्ठित समाजसेवी श्री विनोद शर्मा, व्यवस्थापक श्री राजीव गुप्ता, अंकुर शर्मा की रही महत्वपूर्ण भूमिका।। उक्त कार्यक्रम में गणमान्य व्यक्तियों व बच्चों की रही उपस्थिति

इंडियन योग एसोसिएशन के जिला समन्वयक श्री प्रवेंद्र दहिया द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी का आभार व्यक्त किया गया।

प्रदेश में मानसून ने पकड़ी रफ्तार, 30 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में मानसूनी बारिश ने रफ्तार पकड़ ली है। प्रदेश के दक्षिणी हिस्से से शुरू होकर मानसून का प्रभाव शुक्रवार तक तराई, मध्य और पश्चिमी इलाकों में भी दिखा। बृहस्पतिवार और शुक्रवार के दौरान प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में मध्यम से अच्छी बारिश हुई। प्रयागराज, मिर्जापुर, अमेठी, उन्नाव आदि में बादल जमकर बरसे। राजधानी लखनऊ में भी अच्छी बारिश हुई। मौसम विभाग ने शनिवार के लिए प्रदेश के 30 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी किया है। इनमें से चार जिलों प्रयागराज, सोनभद्र, मिर्जापुर और भदोही में भारी से अत्यधिक भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। वहीं लगभग 58 जिलों में गरज चमक के साथ बिजली गिरने की संभावना जताई गई है।बारिश के दौरान इन इलाकों में तेज झोंकेदार हवाएं चलने के आसार हैं। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि शनिवार को बारिश के क्षेत्रफल और तीव्रता में और बढ़ोतरी आएगी।

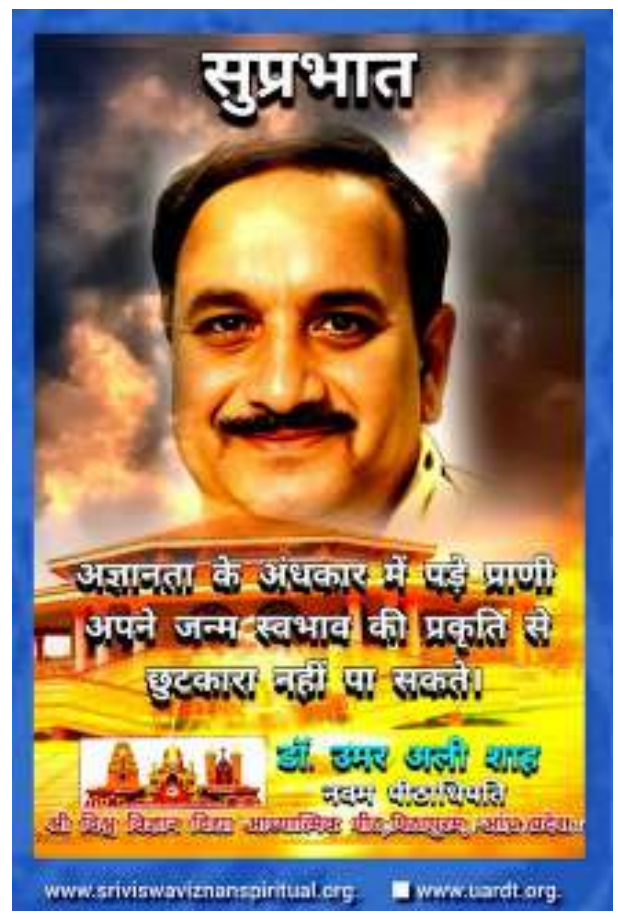

जर्दालू आम

(कुण्डलिया)

भागलपुर का आम है, जर्दालू है नाम।
सब पर यह समदृष्टि रख, करे काम निष्काम।
करे काम निष्काम, साथ राजा रहमत पा।
हल्की पीली त्वचा, रसीला गूदा मीठा।
सुन लो कहें प्रदीप, विटामिन से बहुत प्रचुर।
विस्तारित बाजार,आज का है भागलपुर।।

स्वाद–गमक अंतस भरे, शक्कर से हो मुक्त।
शुगर मरीजों के लिये, जर्दालू उपयुक्त।
जर्दालू उपयुक्त, आम है सोना सोना।
महकाए दिन–रात, घरों का कोना–कोना।
सुन लो कहें प्रदीप,दिया जब इसने दस्तक।
फल इसका रसदार, बताता है स्वाद–महक।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

पूर्वांचल में आरएलडी ने पसारे पांव, जयंत 23 को पहुंचेंगे वाराणसी

लखनऊ, संवाददाता। राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी आगामी 23 जून को वाराणसी पहुंचेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय करेंगे। इस दौरे को पूर्वांचल में पार्टी के संगठनात्मक विस्तार और जनसंपर्क अभियान के रूप में देखा जा रहा है। पूर्वांचल में बढ़ते जनसमर्थन और संगठन की मजबूती को देखते आरएलडी अब इस क्षेत्र में अपनी उपस्थिति और प्रभावी बनाने जा रही है। जयंत चौधरी अपने दौरे के दौरान कार्यकर्ताओं से संवाद, सामाजिक संगठनों से मुलाकात, तथा पूर्वांचल के मुद्दों पर चर्चा करेंगे। आरएलडी की पहल स्पष्ट संकेत देती है कि अब पार्टी केवल पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं बल्कि पूरे राज्य में सशक्त विकल्प के रूप में उभर रही है।राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश मीडिया प्रभारी मयंक त्रिवेदी ने बताया कि वाराणसी दौरे के दौरान जयंत चौधरी कार्यकर्ताओं से संवाद कार्यक्रम, प्रेस कांफ्रेंस तथा जनप्रतिनिधियों और युवाओं से भेंट करेंगे। इस दौरे से राष्ट्रीय लोकदल पूर्वांचल में जड़ों को और गहरा करेगा।

सपा नेता समेत तीन पर 27 लाख की ठगी का केस दर्ज, फ्लैट के नाम पर किया गया था फ्रॉड

लखनऊ, संवाददाता।हजरतगंज थाने में रियल एस्टेट फर्म संचालक व सपा नेता ठाकुरगंज के जरनैलगंज निवासी सउद मुशीर, फहद बख्श व जावेद बख्श के खिलाफ फ्लैट के नाम पर 27 लाख की ठगी की एफआईआर की गई है। मामले में अल्पसंख्यक आयोग की पूर्व महिला सदस्य डालीबाग निवासी रुमाना सिद्दीकी ने एसीपी हजरतगंज विकास जायसवाल से शिकायत की थी। रुमाना के मुताबिक, वर्ष 2016 में उनकी पहचान सउद मुशीर से हुई थी, जिसने खुद को सपा का प्रदेश सचिव भी बताया था। आरोपी ने कहा कि कल्याणपुर रिंग रोड के पास फ्लैट बने हैं। वह उन्हें भी अच्छी कीमत पर फ्लैट दिला देगा। बातों में फंस कर रुमाना ने 31 लाख का फ्लैट बुक कराया। इसमें उन्होंने सउद को 27 लाख का भुगतान कर दिया। इसके बावजूद उन्हें फ्लैट नहीं मिला। दबाव बनाने पर टालमटोल करता रहा। विरोध पर आरोपी ने खुद को मुख्तार अंसारी गिरोह का सदस्य बताया। इतना ही नहीं सउद व उसके साथी फहद व जावेद ने गोली मारने की धमकी देना शुरू कर दिया। रुमाना ने जब जांच की तो पता चला कि सउद मुशीर ने फहद बख्श सिद्दीकी और जावेद की मदद से फ्लैट बेच दिया है। आरोपियों ने बिना मानचित्र पास कराए ही निर्माण कराया था। कई लोगों को फ्लैट भी बेचे गए, जिसे लेकर विवाद है। इंस्पेक्टर विक्रम सिंह ने बताया कि केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

ड्यूटी के दौरान नशे की हालत में लड़खड़ाता मिला दरोगा, निलंबित किया गया

लखनऊ, संवाददाता। हुसड़िया चौराहे के पास बृहस्पतिवार को एक ट्रैफिक पुलिस का दरोगा ड्यूटी के दौरान नशे में धुत मिला। वह इधर उधर गिरता पड़ता रहा। अफसरों ने उसको तत्काल अस्पताल पहुंचाया और मेडिकल कराया उसको निलंबित कर विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं। रेसर बाइक–17 पर दरोगा धर्मेंद्र सिंह की तैनाती थी।

सम्पादकीय.....

मोदी–ट्रंप वार्ता

यह ध्रुव सत्य है कि अमेरिका की तमाम रीतियां व नीतियां अमेरिका से शुरू होकर अमेरिका पर ही खत्म हो जाती हैं। जहां उसे अपने आर्थिक व सामरिक हित नजर आते हैं, वहीं उसकी सभी रीति–नीतियां ठहर जाती हैं। दशकों से आतंक की पाठशाला चला रहे पाकिस्तान को आंतकवाद के खिलाफ कथित साझेदारी के लिये उपकृत करने वाले अमेरिका के मंसूबों को समझा जा सकता है। विडंबना यह है कि पिछले एक महीने से भी ज्यादा समय से अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ऑप्रेशन सिंदूर के दौरान भारत और पाकिस्तान को कथित रूप से युद्ध विराम के लिये सहमत कराने के लिये खुद की ही पीठ थपथपा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि उन्होंने दस मई को अमेरिका की मध्यस्थता में देर रात तक बातचीत के दावे के बाद कथित रूप से पूर्ण और तत्काल युद्ध विराम की घोषणा करके दुनिया को चौंका दिया था। पल–पल अपना रुख बदलने के लिये कुख्यात ट्रंप इस विवादास्पद मामले पर अपनी बात मनवाने पर अड़े हुए हैं। मगर बार–बार उनके द्वारा दोहराए जाने वाले दावे भारत की परेशानी का सबब बन रहे हैं। भारत ने ऐतिहासिक रूप से द्विपक्षीय विवादों को तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप से दूर रखा है। अब, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रिकॉर्ड को सही करने का प्रयास किया है, और वह भी खुद अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ टेलीफोन पर बातचीत के दौरान। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया है कि भारत ने इस्लामाबाद के अनुरोध पर ऑप्रेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के खिलाफ हमलों को रोक दिया था, न कि मध्यस्थता या अमेरिका द्वारा किसी व्यापार सौदे की किसी पेशकश के कारण। यह दावा डोनाल्ड ट्रंप के उस प्रचार को सिरे से खारिज करता है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान को समझाने के लिये व्यापार कार्ड का इस्तेमाल किया था। लेकिन इसके बावजूद बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रधानमंत्री की सीधी बात ट्रंप को समझ आएगी? क्या ये बातचीत ट्रंप को भारत व पाक मामलों में हस्तक्षेप करने से रोके पाएगी? लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हालिया कारगुजारियों से तो ऐसा होता नजर नहीं आता। पहले बात अमेरिका को स्पष्ट समझा दी जानी चाहिए कि वह भारत व पाक को एक तराजू में तोलने की भूल न करे। हाल की अमेरिका यात्रा के दौरान जिस तरह ट्रंप प्रशासन ने विवादास्पद पाकिस्तान सेना प्रमुख असीम मुनीर को तरजीह दी, उसका कोई तार्किक आधार नजर नहीं आता। बल्कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर की लंच पर मेजबानी करके नवीनतम भड़काऊ कदम ही उठाया है। उसे देखते हुए यह संभावना असंभव ही लगती है कि ट्रंप दोनों देशों के मामलों में हस्तक्षेप करने से बाज आएंगे। यह वही मुनीर आलम है जिन्होंने पहलगाम आतंकी हमले से बमुश्किल एक सप्ताह पूर्व कश्मीर को पाकिस्तान के गले की नस बताया था। इसके अलावा उन्होंने संकीर्ण सांप्रदायिक टिप्पणियां भी की थी। यह बात अतार्किक ही लगती है कि अमेरिका पाक को अपने साथ आतंकवाद विरोधी साझेदारी को मजबूत करने में उनकी भूमिका के लिये पुरस्कृत कर रहा है। दोनों देशों के बीच पक रही यह खिचड़ी भारतीय कूटनीति के लिये एक बड़ी चुनौती कही जा सकती है। मोदी सरकार को पाकिस्तान को खुले समर्थन को लेकर अमेरिका का सामना करने के पक्ष और विपक्ष के हमलों का मुकाबला करना होगा। निश्चित रूप से दशकों से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से पीड़ित भारत इस स्थिति को हल्के में नहीं ले सकता। भारत को पाकिस्तान द्वारा कश्मीर मुद्दे के अंतर्राष्ट्रीयकरण के प्रयासों को विफल करने के लिये हर संभव प्रयास करने होंगे। अब चाहे अमेरिका को ये पसंद आए, चाहे न आये। भारत के लिये यह कूटनीतिक चुनौती है और देशकाल परिस्थितियों के अनुरूप भारत को अपनी रीतियों–नीतियों को नए सिरे से निर्धारित करना चाहिए। यह जानते हुए कि हमारा दशकों से विश्वसनीय साथी व महाशक्ति रहा रूस आज उतनी मजबूत स्थिति में नहीं है। लंबे खिंच रहे यूक्रेन संघर्ष ने रूस की अंतर्राष्ट्रीय कूटनीतिक जगत में कभी मजबूत रही स्थिति को कमजोर ही किया है। ऐसे में भारत को बदलते परिदृश्य में कूटनीति को नये सिरे से परिभाषित करना होगा।

सिकल सेल रोग रौशनी का एक दीप जलाओ

डा. ए.आर. दल्ला

विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार विश्व में प्रतिदिन बच्चे 1 वर्ष की आयु तक पहुंचते–पहुंचते काल–कवलित हो जाते हैं। बचे हुए लोग युवा अवस्था तक मुश्किल से पहुंचते हैं।

प्रतिवर्ष 9 जून को विश्व सिकल दिवस मनाया जाता है इसका उद्देश्य सिकल रोग की जानकारी बढ़ाना है। सदियों तक सिकल सेल रोग पर भ्रांतियां बनी रहीं। इस रोग से प्रभावित लोगों में शिक्षा का अभाव था। कबीलाई मान्यताओं के चलते इसे ईश्वर का अभिशाप माना जाता था कुछ लोग इसे समागम से होने वाली या छुआछूत से होने वाली बीमारी समझते थे। इन सभी भ्रांतियों को दूर करने के लिये इस वर्ष 2025 के लिये विश्व स्वास्थ्य संगठन ने शाईन द लाईट ऑन सिकल सेल का नारा दिया है जिसका भावार्थ है कि सिकल सेल रोग पर प्रकाश प्रज्जवलित करो । सिकल सेल विकृति एक आनुवांशिक (जेनेटिक) रोग है। विश्व के पांच प्रतिशत लोग इससे प्रभावित हैं। पीढ़ी दर पीढ़ी चलने वाले इस रोग में गोलाकार लाल रक्त कण (हीमोग्लोबिन) हंसिए (सिकल) के रूप में परिवर्तित होकर नुकीले और कड़े हो जाते हैं। यह रक्त कण शरीर की छोटी रक्तवाहिनीयों में फंसकर लिवर, तिल्ली, किडनी, मस्तिष्क आदि अंगों के रक्त प्रवाह को बाधित कर देते हैं। रक्त कणों के जल्दी–जल्दी टूटने से भी रोगी को सदैव रक्त की कमी (एनीमिया) रहती है, इसलिए इस रोग को सिकल सेल एनीमिया भी कहा जाता है। अब से 115 वर्ष पहले डॉ. मेसन और डॉ. जेम्स हेरिक ने सबसे पहले आपने मायक्रोस्कोप में इसे देखा। लम्बे, नुकीले और हंसिये जैसे अर्द्धचन्द्राकार आकार के कारण इसे सिकल सेल एनीमिया का नाम दिया गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार विश्व में प्रतिदिन बच्चे 1 वर्ष की आयु तक पहुंचते–पहुंचते काल–कवलित हो जाते हैं। बचे हुए लोग युवा अवस्था तक मुश्किल से पहुंचते हैं। यह बीमारी अफ्रीका, सऊदी अरब, एशिया और भारत में ज्यादा पाई जाती है, जहां मलेरिया का प्रकोप अधिक है। पहले यह रोग अश्वेत अफ्रीकन (नीग्रो) लोगों का रोग माना जाता था। चिकित्सा विज्ञान की प्रगति के साथ मालूम हुआ कि भारतवर्ष, अरब और मेडीटेरियन अफ्रीका के ऐसे देशों में व्याप्त है जहां घने जंगल हैं, और जहां मलेरिया का प्रकोप है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने इसे एक घातक आनुवांशिक रोग चिन्हित करते हुए कहा है कि इस विकृति के प्रबंधन एवं जनजागरण के चलते मलेरिया, कुपोषण एवं एनीमिया से होने वाली बीमारी से शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सकेगी। यह विडंबना ही है कि वर्ष 1952 तक भारतवर्ष में इस बीमारी के विषय में विशेष जानकारी नहीं थी। समय के साथ मालूम हुआ कि मध्य भारत के आदिवासी, पिछड़े और वंचित लोगों का एक बहुत बड़ा वर्ग इस बीमारी से ग्रस्त है। छत्तीसगढ़ में किए गये सर्वे के अनुसार छत्तीसगढ़ के पिछड़े, वंचित और आदिवासी लोगों में यह बीमारी 10 से 40 प्रतिशत तक व्याप्त है। भारत की विशाल जनसंख्या को देखते हुए यह अनुमानित है कि विश्व के आधे सिकल सेल रोगी भारत में रहते हैं। एक लम्बे समय तक इस विभीषिका को पहचाना नहीं जा सका। अनुसंधान के अभाव में चिकित्सक अनभिज्ञ, प्रशासक संवेदनाशून्य और मीडिया मौन रहा। सिकल सेल रो पर जागृति तेज गति से बढ़ी है। किन्तु आज भी भारत में सिकल का कोई रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है । अब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने त्वरित गति से शमिशन मोडश पर इस कार्यक्रम को गति दी है। सिकल सेल व्यक्ति दो तरह के होते हैं– (1) एक वाहक (एएस) एवं (2) दूसरा सिकल सेल रोग पीड़ित (एसएस)। जब माता या पिता प्रत्येक से एक–एक जीन संतान को मिलता है तो इसे सिकल सेल का वाहक कहा जाता है। सिकल सेल वाहक को कोई तकलीफ नहीं होती है। उन्हें किसी इलाज की भी जरूरत नहीं होती। लेकिन जब वे आपस में विवाह करते हैं तो इस रोग के प्रसार की संभावना बढ़ जाती है। उन्हें विवाह पूर्व सिकल कुंडली मिलाने की समझाइश दी जाती है। यदि दो वाहक आपस में विवाह कर भी लेते हैं तो उन्हें गर्भधारण के शुरूआती महीनों में गर्भजल परीक्षण (एमीनोसेन्टेसिस) जाँच कराकर गर्भस्थ सिकल रोगी (एसएस) बच्चे का गर्भपात करा लेना वैधानिक है। नवजात शिशुओं का जन्म के समय से ही रक्त परीक्षण कर सिकल रोगी बच्चे को चिन्हित किया जा सकता है। रोगग्रस्त जन्में बच्चों को 2 माह की आयु से ही पेनीसिलीन की गोली और निमोकोकस वैक्सीन (टीका) देकर इन बच्चों में संक्रमण से होने वाली बीमारी को रोका जा सकता है। आवश्यकतानुसार रक्त प्रदाय कर एनीमिया और सिकल रोग से होने वाले दुष्प्रभाव को रोककर ऐसे बच्चों को लम्बा जीवनकाल दिया जा सकता है। अब सिकल रोग पर विश्व के कई देशों में अनुसंधान का कार्य भी चल रहा है। हाइड्रोक्सीयूरिया जैसी दवाओं ने सिकल रोगियों (एसएस) का प्रबंधन आसान कर दिया है। अब विश्व में जेनेटिक इंजीनियरिंग, जीन थैरेपी एवं मालेकुलर जेनेटिक इंजीनियरिंग अनुसंधान का कार्य प्रगति पर है। छत्तीसगढ़ विधान सभा में एक संकल्प प्रस्ताव रखा गया था जो सर्वसम्मति से पारित हो चुका है । छत्तीसगढ़ में मालेकुलर और जेनेटिक लेब की स्थापना हुई है। भारत में सबसे पहले छत्तीसगढ़ के सिकल सेल संस्थान की स्थापना भी हुई है। यह भी उल्लेखनीय है कि इस रोग में शरीर का भी कोई अंग प्रभावित हो सकता है। ऐसी सभी उलझनों का प्रबंधन आसानी से किया जा सकता है। सिकल सेल को राष्ट्रीय स्तर पर गति तब मिली जब भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इसका संज्ञान लिया। वर्ष 2023 में प्रधानमंत्री जी ने सिकल सेल रोग विकृति की रोकथाम के लिये शमिशन मोडश पर एक त्वरित प्रयास का शुभारम्भ किया। मध्यप्रदेश के श्शहडोलश नामक शहर में एक विशेष सिकल सेल नियंत्रण की स्थापना की गई है।

ईरान में तख्तापलट के लिए छेड़ा गया युद्ध

रजा पहलवी ईरान के आखिरी शाह मोहम्मद रजा पहलवी के सबसे बड़े बेटे हैं। शाह मोहम्मद रजा पहलवी के शासन को 1979 की इस्लामी क्रांति के दौरान उखाड़ फेंका गया था। पहलवी खानदान ने तब ईरान छोड़ दिया था और सत्ता अयातुल्लाह रुहोल्लाह खुमैनी के हाथों में आ गई थी, जिन्होंने ईरान में इस्लामी गणराज्य की स्थापना की थी। सत्ता संभालने से पहले खुमैनी पेरिस में थे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कनाडा में जी–7 शिखर सम्मेलन को बीच में ही छोड़कर जब वाशिंगटन के लिए रवाना हो गए थे, तभी से कयास लग रहे थे कि क्या अब अमेरिका इस जंग में सीधे उतरेगा। अमेरिका ने अब तक ईरान से सीधी लड़ाई का ऐलान तो नहीं किया है, लेकिन इजराइल–ईरान युद्ध के बीच ट्रंप ने ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई को लेकर अब तक का सबसे बड़ा बयान दिया है, जो किसी लड़ाई से कम नहीं है। ट्रंप ने खामेनेई का नाम लिए बगैर सोशल मीडिया पर श्सुप्रीम लीडरश लिखते हुए पोस्ट किया है। ट्रंप ने कहा है कि हम अच्छी तरह से जानते हैं कि तथाकथित सुप्रीम लीडरश कहां छिपे हैं. वह एक आसान निशाना हैं लेकिन वहां सुरक्षित हैं. हम उन्हें मारेंगे नहीं, कम से कम अभी तो नहीं. मगर, हम नहीं चाहते कि मिसाइलें नागरिकों या अमेरिकी सैनिकों पर दागी जाएं. हमारा ध्ैर्य खत्म होता जा रहा है। इसके बाद एक दूसरी पोस्ट में ट्रंप ने अनकंडीशनल सरेंडर लिखा, यानी ट्रंप ने ईरान से बिना शर्त सरेंडर करने के लिए कहा है। इधर डोनाल्ड ट्रंप आयतुल्लाह खामेनेई को अभी नहीं मारने की बात कह रहे हैं, उधर ईरान पर हमला बोलने वाले इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू कह रहे हैं कि खामेनेई की मौत श्संघर्ष को बढ़ाने के बजाय, उसे खत्म करने का काम करेगी। अलग–अलग मीडिया रिपोर्ट्स से यह अनुमान लग रहा है कि इजरायल का बस चले तो वह आज खामनेई को मार दे, लेकिन अमेरिका ने अभी इस पर वीटो लगा रखा है, यानी अमेरिका की मंजूरी मिलने के बाद ही इजरायल यह बड़ा कदम उठाएगा। इस बीच बेंजामिन नेतन्याहू और ईरान के निर्वासित क्राउन प्रिंस रजा पहलवी के बयानों से जाहिर हो रहा है कि इजरायल ने ईरान पर परमाणु हथियार बनाने से रोकने के नाम पर जो हमला बोला है, वह असल में एक मुखौटा है। इसके पीछे असली वजह शायद ईरान में फिर से शाह के शासन को बहाल करना है। कहा जा रहा है कि इजराइल और अमेरिका के समर्थन से रजा पहलवी के लिए ईरानी गद्दी संभालने के लिए तैयारी शुरू हो गई है। रजा पहलवी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में ऐलान किया कि ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई अंडरग्राउंड होकर छिप गए हैं और इस्लामिक गणराज्य ध्वस्त होने की प्रक्रिया में है। उन्होंने अयातुल्ला अली खामेनेई की तुलना चूहे से कर डाली। रजा पहलवी ने तेहरान में शासन परिवर्तन का आह्वान करते हुए कहा कि इस्लामिक गणराज्य ढह रहा है और ईरानी लोगों के लिए ईरान को फिर से हासिल करने का समय आ गया है। उन्होंने इसे एक अपरिवर्तनीय क्षण बताया। उन्होंने लिखा, इस्लामी गणराज्य का अंत ईरानी राष्ट्र के खिलाफ उसके 46 साल के युद्ध का अंत है। अब उठने का समय है। ईरानी क्राउन प्रिंस ने लोगों को संबोधित करते हुए एक वीडियो भी पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने इसे ईरानी लोगों के लिए ऐतिहासिक मोड़ बताया। और कहा कि भविष्य उज्ज्वल है और साथ मिलकर हम इतिहास के इस तीखे मोड़ से गुजरेंगे। गौरतलब है कि पहलवी पहले भी खामेनेई के शासन को उखाड़ फेंकने का आह्वान कर चुके हैं। निर्वासित क्राउन प्रिंस अब ईरान के लोगों को ये भी बता रहे हैं कि उनके पास देश के भविष्य के लिए योजना है। उन्होंने कहा, ईरान गृहयुद्ध या अस्थिरता में नहीं उतरेगा। मौजूदा शासन की हार के बाद पहले 100 दिनों के संक्रमण काल के लिए ईरानी लोगों द्वारा और ईरानी लोगों के लिए एक राष्ट्रीय और लोकतांत्रिक सरकार की स्थापना के लिए हम तैयार हैं, ऐसा दावा पहलवी ने किया है। उन्होंने सेना, पुलिस और ईरानी कर्मचारियों को भी संदेश दिया और खामेनेई के शासन से अलग हो जाने को कहा। रजा पहलवी ईरान के आखिरी शाह मोहम्मद रजा पहलवी के सबसे बड़े बेटे हैं। शाह मोहम्मद रजा पहलवी के शासन को 1979 की इस्लामी क्रांति के दौरान उखाड़ फेंका गया था। पहलवी खानदान ने तब ईरान छोड़ दिया था और सत्ता अयातुल्लाह रुहोल्लाह खुमैनी के हाथों में आ गई थी, जिन्होंने ईरान में इस्लामी गणराज्य की स्थापना की थी। सत्ता संभालने से पहले खुमैनी पेरिस में थे, क्योंकि अमेरिका से नजदीकी संबंधों का विरोध करने के चलते शाह ने उन्हें देश से निष्कासित कर दिया था। लेकिन जब शाह मोहम्मद रजा पहलवी को ईरान छोड़ना पड़ा तो फिर इस्लामी गणराज्य की स्थापना हो गई और शासन की बागडोर मौलवियों के हाथ में आई। इन्हीं मौलवियों में एक नाम अली खामेनेई का भी है, जो बहुत कम समय में खुमैनी के सबसे करीबी सहयोगियों में शामिल हो गए थे। यह समझना जरूरी है कि खुमैनी के बाद आयतुल्लाह अली खामेनेई आखिर इतने महत्वपूर्ण क्यों हो गए कि इजरायल और अमेरिका दोनों उनकी जान के पीछे पड़े हैं। खामनेई उस दौर में बड़े हो रहे थे, जब ईरान में पहलवी शासन था और अपनी ध्ार्मनिरपेक्ष सोच की वजह से शाह धार्मिक व्यक्तियों को तरजीह नहीं देते थे। खामनेई 11 बरस की छोटी उम्र में ही मौलवी बन गए थे और फिर जल्द ही खुमैनी के समर्थन में काम करना शुरू कर दिया। ईरान में इस्लामी शासन स्थापित करने वाले संदेश देश के भीतर फैलाने के प्रयास में खामनेई को छह बार गिरफ्तार भी किया गया। उन पर दो बार जानलेवा हमले भी हुए। जब खुमैनी के हाथ में सत्ता आई तो खामेनेई को देश का उप–रक्षा मंत्री नियुक्त किया गया. इस दौरान उन्होंने इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) को संगठित करने में अहम भूमिका निभाई, जो इस समय ईरान की सबसे शक्तिशाली संस्थाओं में से एक है। 1989 में जब खुमैनी की मौत हुई तो खामेनेई को ईरान का अगला सुप्रीम लीडर नियुक्त किया गया। अब इसी सुप्रीम लीडर को इजरायल ने अपने निशाने पर रखा है। एक तरफ रजा पहलवी ने ईरान की जनता को संदेश दे दिया है कि जल्द ही खामनेई की सत्ता का अंत होगा, तो दूसरी तरफ बेंजामिन नेतन्याहू ने भी ईरानी अवाम को अंग्रेजी में सीधे संबोधित किया और ईरानियों से अपील की कि अब समय आ गया है, जब वे शैतानी और दमनकारी शासन के खिलाफ उठ खड़े हों। नेतन्याहू ने कहा, श्इसराइली सैन्य अभियान आपके लिए आजादी हासिल करने का रास्ता साफ कर रहा है। ये पूरा घटनाक्रम बता रहा है कि खामेनेई को किसी भी तरह रास्ते से हटाना इजरायल और अमेरिका का मिशन है, हालांकि खामनेई अब भी खुलकर इजरायल के अस्तित्व को मिटाने की बात करते रहे हैं। वो लंबे समय से इजरायल को पश्चिम एशियाई क्षेत्र का एक ऐसा कैंसरग्रस्त ट्यूमर बताते रहे हैं, जिसे उखाड़ फेंकना जरूरी है और उनके मुताबिक ये होकर रहेगा। इधर इजरायल में अब नेतन्याहू के इस कदम के खिलाफ आवाज उठने लगी है। ईरान की रेडियो सेवा पार्स टुडे के मुताबिक इजरायली सुरक्षा एवं सैन्य विशेषज्ञ योसी मेलमैन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक संदेश में इजरायली शासन के नेताओं को सलाह दी कि तेहरान से युद्धविराम की भीख मांगने से पहले इस पागलपन को रोकें। मेलमैन ने कहा शिया ऐतिहासिक रूप से पीड़ा सहन करने के लिए तैयार रहते हैं। मैंने उनकी बलिदान की इच्छा को याद किया, जैसा कि इराक के साथ आठ साल के युद्ध में देखा गया था। मेरी सलाह है कि हम नुकसान को कम से कम करें और इस पागलपन को रोकने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के माध्यम से एक उचित समझौते का सहारा लें– नहीं तो हमें युद्धविराम के लिए गिड़गिड़ाना पड़ेगा और ईरान मना कर देगा। वहीं इजरायल के अखबार हाआरेत्ज ने ईरानी मिसाइलों के सामने अपनी वायु रक्षा प्रणालियों की विफलता को स्वीकार किया और नेतन्याहू सरकार से तुरंत अपनी सैन्य दादागिरी और युद्ध भड़काने की कार्रवाई को समाप्त करने का आग्रह किया। हाआरेत्ज ने लिखारू श्इजरायल की वायु रक्षा प्रणालियां ईरान के उन्नत मिसाइलों का मुकाबला करने में विफल रही हैं। इजरायली सेना और सरकार के कमांडरों को सबक लेना चाहिए और बेहद कठिन और अवांछित घटनाक्रम से बचने के लिए युद्ध को रोकना चाहिए। इस पूरे घटनाक्रम से यही समझ आ रहा है कि इजरायल और अमेरिका परमाणु हथियारों को केवल बहाना बना रहे हैं और किसी भी तरह ईरान में सत्ता पलटने की तैयारी में हैं। ठीक वैसे ही जैसे ईराक में सद्दाम हुसैन को मारकर तख्तापलट किया गया था। हालांकि इस बार अमेरिका के लिए यह खेल आसान नहीं होगा।

मोदी, ट्रंप के बीच पाकिस्तान

आपरेशन सिंदूर पर आखिरकार डोनाल्ड ट्रंप और नरेन्द्र मोदी के बीच सीधी बातचीत हो ही गई। जिसमें ट्रंप ने पहले की तरह आतंकवाद के खिलाफ भारत का साथ देने की प्रतिबद्धता जतलाई है। लेकिन क्या भारत को ट्रंप की जबान का यकीन करना चाहिए, ये एक बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। क्योंकि जिस समय ट्रंप श्री मोदी से फोन पर आतंकवाद और इसके अलावा दुनिया में चल रहे युद्धों पर चर्चा कर रहे थे, उस समय पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर अमेरिका में ही थे और बुधवार को उनका राष्ट्रपति ट्रंप के साथ लंच निर्धारित हो चुका था। यह वही असीम मुनीर हैं जो भारत में आग लगाने की धमकी दे चुके हैं, जो खुलकर आतंकवादियों का साथ दे रहे हैं, और ट्रंप ऐसे व्यक्ति की मेजबानी कर रहे हैं। ऐसा नहीं है कि पाकिस्तान की तरफ अपना झुकाव ट्रंप ने पहले जाहिर नहीं किया है। अभी कुछ दिनों पहले ट्रंप ने पाकिस्तान के नेतृत्व को मजबूत बताते हुए कहा था कि इससे कुछ लोगों को तकलीफ होती है, यह सीधे तौर पर भारत को चिढ़ाने वाली बात थी। इसके अलावा 10 मई से लेकर अब तक ट्रंप कम के कम 14 बार यह दावा कर चुके हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम उन्होंने करवाया। जब पहलगाम हमला हुआ था और ऑपरेशन सिंदूर शुरु नहीं हुआ था, तब भी ट्रंप ने कहा था कि दोनों देशों के बीच हजारों सालों से समस्या चली आ रही है, दोनों के नेता महान हैं और वो आपस में अपने मसले सुलझा लेंगे। जितने आराम से ट्रंप भारत और पाकिस्तान को एक पलड़े पर रखते हैं, कायदे से उसका कड़ा जवाब भारतीय नेतृत्व की तरफ से दिया जाना चाहिए। लेकिन नरेन्द्र मोदी इस मामले में भारतीय इतिहास के सबसे कमजोर प्रधानमंत्री साबित हो चुके हैं। आज तक किसी प्रधानमंत्री ने अमेरिका की इतनी दादागिरी बर्दाश्त नहीं की, जितनी श्री मोदी कर रहे हैं। खुद भाजपा के ही कई नेता इस बारे में दबी–खुली जुबान से आलोचना कर चुके हैं। लेकिन इस समय नरेन्द्र मोदी की छवि को बनाने की मुहिम में सब लगे हैं, इसलिए इस कमजोरी का जिक्र नहीं होता और बाकी कसर भाजपा का पिठ्ठू मीडिया पूरी कर रहा है। अभी ऑपरेशन सिंदूर को लेकर नरेन्द्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप के बीच जो चर्चा हुई, उसे लेकर कुछ पत्रकार कांग्रेस और राहुल गांधी का मखौल उड़ा रहे हैं कि ये नरेन्दर, सरेण्डर की बात करते थे, अब उन्हें मुंह की खानी पड़ी। लेकिन कांग्रेस को कोसते वक्त ये लोग भूल जाते हैं कि बात कांग्रेस की नहीं देश की है और इस समय पाकिस्तान को अमेरिका ने जैसा अपना सगा बना लिया है, उसमें भारत का अपमान करने की ही चेष्टा की है। जिसका जवाब मोदी सरकार की तरफ से जाना चाहिए। गौरतलब है कि कनाडा में हुए जी–7 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से न हो सकी थी, क्योंकि ट्रंप इजरायल–ईरान युद्ध के कारण बैठक बीच में ही छोड़कर अमेरिका वापस आ गए थे। लेकिन बुधवार सुबह–सुबह भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने जानकारी दी कि राष्ट्रपति ट्रंप से प्रधानमंत्री मोदी की फोन 35 मिनट तक बातचीत हुई है और यह संवाद राष्ट्रपति ट्रंप के आग्रह पर हुआ है। इस दौरान ट्रंप ने श्री मोदी को कनाडा से अमेरिका आने का न्यौता दिया, लेकिन प्रधानमंत्री के पहले से तय कार्यक्रम के कारण अमेरिका का न्यौता स्वीकार नहीं किया गया। लेकिन दोनों नेताओं ने ईरान–इजरायल और रूस–यूक्रेन के बीच चल रही जंग पर लंबी चर्चा की। विक्रम मिस्री के मुताबित प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की नीति स्पष्ट करते हुए कहा कि कश्मीर या पाकिस्तान से जुड़े मुद्दों में भारत का रुख हमेशा से यही रहा है कि यह द्विपक्षीय मामला है और किसी भी तीसरे पक्ष की भूमिका स्वीकार्य नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से साफ शब्दों में कहा है कि भारत किसी भी सूरत में तीसरे पक्ष की मध्यस्थता स्वीकार नहीं करता। न पहले की, न अब करता है और न ही भविष्य में ऐसा होगा। चूंकि विदेश सचिव ने यह जानकारी दी है, इसलिए इसे भारत सरकार का आधिकारिक वक्तव्य माना जाएगा। लेकिन यह देखकर आश्चर्य हुआ कि प्रधानमंत्री कार्यालय और खुद प्रधानमंत्री मोदी का सोशल मीडिया एकाउंट इस मुलाकात पर बिल्कुल खामोश है। जबकि श्री मोदी ने कनाडा पहुंचने से लेकर वहां बैठक खत्म कर रवाना होने तक सारी जानकारी एक्स एकाउंट पर दी है। जी–7 देशों के नेताओं के अलावा अन्य आमंत्रित देशों के प्रमुखों, यूरोपीय यूनियन के नेताओं से मुलाकात के फोटो नरेन्द्र मोदी ने पोस्ट किए हैं, सबके लिए अलग से संदेश लिखा है, लेकिन डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बातचीत हुई, इसकी जानकारी अपने सोशल मीडिया पोस्ट से नहीं दी। कम से कम इन पंक्तियों के लिखे जाने तक ऐसी कोई जानकारी सामने नहीं आई थी। इसलिए अब यह सवाल उठता है कि जब नरेन्द्र मोदी ने ट्रंप को खरी–खरी सुना ही दी है, तो उसकी जानकारी क्यों नहीं दी। ऐसा होता तो कांग्रेस जो सवाल उठा रही थी कि मोदी अपना मुंह क्यों नहीं खोलते, उसका जवाब भी मिल जाता। लेकिन श्री मोदी इस बारे में फिर खामोश हैं। उधर पांच दिनों की अमेरिका यात्रा पर पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर डोनाल्ड ट्रम्प के साथ लंच करने के बाद किस तरह भारत के खिलाफ माहौल बनाने की कोशिश करेंगे, इस बारे में अब सरकार को सतर्क हो जाना चाहिए। असीम मुनीर का यह दौरा इस लिहाज से अहम हो जाता है कि यह पहलगाम आतंकी हमला और ऑपरेशन सिंदूर के ठीक बाद हो रहा है, और अभी ईरान और इजरायल के बीच युद्ध में पाकिस्तान, चीन की तरह ईरान के साथ खड़ा है। जबकि अमेरिका ईरान के खिलाफ हैं। पाकिस्तान चीन और अमेरिका दोनों को एक साथ साध रहा है, और हम यहां इसी में खुश हैं कि श्री मोदी ने ट्रंप से आधे घंटे फोन पर बात की।

सोनम बाजवा ने जैकेट उतार दिखाई टोन्ड फिगर, हसीना के ऐब्स पर अटकी सबकी नजरें

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनम बाजवा इन दिनों अक्षय कुमार की फिल्म हाउसफुल 5 को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच एक्ट्रेस ने अपना बेहद ही सिजलिंग लुक फैंस के साथ शेयर किया है जिससे नजरें हटाना मुश्किल हो गया है। सोनम ग्रे कलर की ब्रालेट के साथ मरमेड स्कर्ट पहने एक्ट्रेस बेहद ग्लैमरस दिख रही हैं। इसके साथ उन्होंने एक जैकेट कैरी किया हुआ था। सोनम ने जैकेट उतारकर अपना टोन्ड फिगर फ्लॉन्ट किया। खुले बालों के साथ वे बेहद हसीन दिख रही थीं। कभी फ्रंट तो कभी बैक से सोनम ने खूब तस्वीरें खिंचवाईं। इस दौरान फैंस की नजरें उनके फिगर और ऐब्स पर टिकी रह गईं। हर कोई उनके ऐब्स की तारीफ करने लगा। इनके साथ कैप्शन में लिखा–आपका मूडबोर्ड। काम की बात करें तो सोनम बाजवा हाउसफुल 5 के बाद फिल्म एक दीवाने की दीवानियत में नजर आएंगी। एक्ट्रेस ने फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। इसके उनके साथ हर्षवर्धन राणे हैं। पहले फिल्म का नाम सिर्फ दीवानियत था, बाद में इसका नाम बदलकर एक दीवाने की दीवानियत रख दिया गया है। इसके पीछे मेकर्स ने कारण बताया कि पुराना टाइटल फिल्म की कहानी और उसके नए अंदाज से मेल नहीं खा रहा था, इसलिए फिल्म का नाम बदला गया। यह फिल्म मिलाप जावेरी ने डायरेक्ट की है और राघव शर्मा इसके को–प्रोड्यूसर हैं। फिल्म 2 अक्टूबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

लंदन में बॉयफ्रेंड शिखर पहारिया के साथ वॉक पर निकली जान्हवी कपूर

कृपया जान्हवी कपूर को छुट्टी मनाने के दौरान परेशान न करें। 28 वर्षीय बॉलीवुड स्टार अपनी बहन खुशी कपूर और कथित बॉयफ्रेंड शिखर पहारिया के साथ लंदन में हैं। और अंदाज़ा लगाइए क्या? वह अपने ब्रिटिश वेकेशन से बैक–टू–बैक फैशनेबल लुक के साथ दर्शकों का मनोरंजन कर रही हैं। अभिनेत्री जान्हवी कपूर फिलहाल लंदन में अपने बॉयफ्रेंड शिखर पहारिया के साथ कुछ समय बिता रही हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें दोनों के बीच एक–दूसरे के लिए प्यार भरा पल कैद हुआ है, जब वे शहर की सड़कों पर हाथों में हाथ डाले टहल रहे हैं। अभिनेत्री के इंस्टाग्राम पर फैन अकाउंट द्वारा शेयर किए गए वीडियो में जान्हवी को जॉगर पैंट के साथ एक आरामदायक ब्लैक ट्यूब टॉप में देखा जा सकता है। उन्होंने अपने खुले बालों और कम मेकअप के साथ अपने लुक को कैजुअल रखा। शिखर ने कैजुअल टी और सफ़ेद पैंट में उनके साथ नज़र आए, जो बेहद स्टाइलिश लग रहे थे। एक राहगीर द्वारा कैद किए गए इस पल में दोनों हाथ जोड़े हुए करीब से चलते हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि जान्हवी मुस्कुराती हुई दिखाई दे रही हैं। परम सुंदरी अभिनेता के साथ उनकी बहन–अभिनेता खुशी कपूर भी थीं, जिन्होंने पैंट के साथ सफेद टॉप पहना था। लंदन से जान्हवी कपूर और शिखर पहाड़िया का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें दोनों साथ में काफी खुश नजर आ रहे हैं। दोनों लंदन की खुली सड़क पर हाथों में हाथ डाले चलते नजर आ रहे हैं। दोनों साथ में काफी खुश नजर आ रहे हैं। उनके साथ जान्हवी की बहन खुशी कपूर भी नजर आ रही हैं। जान्हवी कपूर को आखिरी बार जूनियर एनटीआर की देवरारू पार्ट 1 में देखा गया था। उनकी अगली फिल्म परम सुंदरी जिसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा घ्भी हैं, 25 जुलाई को रिलीज़ होगी। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अजय देवगन की सन ऑफ़ सरदार 2 से टकराएगी। इसके अलावा, जान्हवी, ईशान खट्टर और विशाल जेठवा की होमबाउंड, जिसने कान्स फिल्म फेस्टिवल 2025 में प्रशंसा अर्जित की, भी जल्द ही रिलीज़ होगी।

अक्षय कुमार की केसरी चौप्टर 2 पर रिलीज के दो महीने बाद विवाद, इतिहास से छेड़छाड़ करने के आरोप में एफआईआर

एक्टर अक्षय कुमार स्टारर केसरी चौप्टर 2, 2 अप्रैल 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म को दर्शकों का पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला। वहीं अब दो महीने बाद इस फिल्म पर विवाद खड़ा हो हा है। पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस ने बुधवार को केसरी चौप्टर 2 के मेकर्स पर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि अक्षय कुमार की फिल्म में बंगाली क्रांतिकारियों का अपमान किया गया है। साथ ही इतिहास से छेड़छाड़ की गई है। उनका कहना है कि बंगाली क्रांतिकारियों का स्वतंत्रता संग्राम में अमूल्य योगदान था लेकिन फिल्म में इस छवि को खराब किया गया है। फिल्म पर विवाद एक सीन को लेकर शुरू हुआ, जहां बंगाल के प्रमुख स्वतंत्रता सेनानियों को कथित रूप से गलत तरीके से दिखाने का आरोप लगाया है। बंगाली क्रांतिकारियों में खास रूप से दो नाम भी लिए गए हैं खुदीराम बोस और बरिंद्र कुमार घोष।टीएमसी का कहना है कि फिल्म में खुदीराम बोस को 'खुदीराम सिंह' और बरिंद्र कुमार घोष को 'बरिंद्र कुमार' के रूप में दिखाया गया है। टीएमसी के नेता कुणाल घोष ने आरोप लगाया कि मेकर्स ने जानबूझकर इतिहास के साथ छेड़छाड़ की और दोनों फेमस सेलानियों को गलत रूप से दिखाया। ये बंगाल का गहरा अपमान है। इस मामले में वेस्ट बंगाल की चीफ मिनिस्टर ममता बनर्जी का रिएक्शन भी सामने आया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने जानबूझकर बंगाली क्रांतिकारियों के योगदान को कमतर आंकने की कोशिश की है। ये मेकर्स और भाजपा की मिलीभगत है। तृणमूल कांग्रेस ने केसरी चौप्टर 2 के सात निर्माताओं के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की कई ध ाराओं के तहत एफआईआर दर्ज करवाई है। ये मामला बिध ाननगर साउथ पुलिस स्टेशन पहुंचा।

आखिर क्यों कजिन मन्नारा के पिता के अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हुई परिणीति चोपड़ा? सामने आई वजह

एक्ट्रेस मन्नारा चोपड़ा के पिता रमन राय हांडा अब इस दुनिया में नहीं रहे। 18 जून को रोते–बिलखते परिवार ने दिल्ली में उनका अंतिम संस्कार किया। इस दौरान दिवंगत रमन राय की बेटियां और पत्नी का रो–रोकर बुरा हाल दिखा। एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा विदेश बैठी अपना फूफा जी के निधन पर दुख जाहिर करती नजर आईं और उनके अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हो पाईं। वहीं, एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा भी अपनी कजिन मन्नारा के पिता के अंतिम संस्कार में नजर नहीं आईं। अब हाल ही में परिणीति के अंकल के अंतिम संस्कार में शामिल नहीं होने का कारण सामने आया है। परिणीति चोपड़ा ने आखिरकार चुप्पी तोड़ी और बताया कि वह अपनी कजिन मन्नारा चोपड़ा के पिता के अंतिम संस्कार में क्यों नहीं आईं। परिणीति ने 19 जून की सुबह इंस्टाग्राम पर लंदन के यूके से एक तस्वीर शेयर की, जिममें एक झील दिखाई दे रही है। यानि उनके इस पोस्ट से पता चलता है कि वो अपने अंकल के अंतिम संस्कार में इसलिए शामिल नहीं हो पाई क्योंकि वो इंडिया में नहीं थी। हालांकि, परिणीति चोपड़ा के पिता पवन चोपड़ा और भाई सहज चोपड़ा उनके अंतिम संस्कार में शामिल हुए थे। बता दें, एक्ट्रेस मन्नारा चोपड़ा के पिता रमन राय हांडा का अंतिम संस्कार 16 जून को हुआ। वह 72 साल के थे। मन्नारा के पिता रमन हांडा दिल्ली उच्च न्यायालय में वकील थे। उनके परिवार में उनकी पत्नी, कामिनी और बेटियां मन्नारा और मिताली हैं।

> एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा विदेश बैठी अपना फूफा जी के निधन पर दुख जाहिर करती नजर आईं और उनके अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हो पाईं। वहीं, एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा भी अपनी कजिन मन्नारा के पिता के अंतिम संस्कार में नजर नहीं आईं।

बेटी के साथ डिज्नी वर्ल्ड पहुंची प्रियंका,मालती ने ली लाइफ की पहली रोलर कोस्टर राइड, लाडली को कसकर थामें दिखी एक्ट्रेस

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा और सिंगर निक जोनस इंडस्ट्री के प्यारे कपल्स में से एक हैं। निकयंका काम में कितने भी बिजी क्यों ना हो बेटी मालती मैरी के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करने से पीछे नहीं हटते। प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में अपने लिए कुछ वक्त निकाला ताकि वह अपनी बेटी और पति के साथ कुछ वक्त बिता सकें। प्रियंका परिवार के साथ डिज्नी वर्ल्ड पहुंचीं। डिज्नी वर्ल्ड में प्रियंका की बेटी मालती भी पहुंची। सबने एड्रेनालाईन की यात्रा की और मिक्की माउस से मुलाकात की। प्रियंका चोपड़ा ने अपनी इंस्टा स्टोरी के जरिए अपने फैंस को अपनी ट्रिप की झलक दिखाने की कोशिश की है। एक वीडियो में देखा जा सकता है कि मालती अपनी दोस्त के साथ हाथ में हाथ डालकर मिकी माउस से मिलने जा रही हैं। इतना ही नहीं प्रियंका ने बेटी मालती के साथ रोलर कोस्टर का भी अनुभव किया। प्रियंका ने इसका वीडियो शेयर करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा एमएम की पहली रोलर कोस्टर यात्रा। हम पहले चार बार जा चुके हैं माई गर्ल। प्रियंका जॉन सीना, इदरीस एल्बा, जैक क्वैड और कई अन्य सितारों से सजी एक्शन–कॉमेडी हेड्स ऑफ स्टेट में नजर आएंगी। यह फिल्म 2 जुलाई को रिलीज होने वाली है। इसके अलावा वह बॉलीवुड में भी कम बैक कर रही हैं। वह एस राजामौली की फिल्म एसएसएमबी29 में दिखेंगी।

यूं ही नहीं कहते आम को फलों का राजा, आंखों से लेकर कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा भी करता है कम

आम खाने में बहुत ही टेस्टी लगता है, बच्चे से लेकर बूढ़े तक सभी इसे खाना पसंद करते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि आम स्वाद के साथ सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद होता है। बता दें कि दुनियाभर में लगभग 1400 किस्में हैं, लेकिन हमारे देश में उगायी जाने वाली दशहरी, लंगड़ा, फजली, केशर, सिंदूरी आदि आम की मुख्य किस्में हैं। आम में पोटैशियम, प्रोटीन, मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। जो शरीर को स्वस्थ रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। हम आपको आज इससे मिलने वाले कुछ फायदों के बारे में बताएंगे जिसे जान आप बेशक हैरान होंगे –

आंखों के लिए फायदेमंद

आम में ल्यूटिन, जेक्सैन्थिन और विटामिन ए होते हैं, ये सभी तत्व आंखों को स्वस्थ रखने में सहायता करते हैं। ल्यूटिन और जेक्सैन्थिन आपकी आंखों को धूप से बचा सकते हैं, जबकि विटामिन ए को आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए अच्छा माना जाता है।

कैंसर का जोखिम

आम में मौजूद पॉलीफेनोल्स ऑक्सीडेटिव तनाव से लड़ने में मदद करते हैं जो कोलन, प्रोस्टेट, बैस्ट औप हड्डी के कैंसर सहित कई स्वास्थ संबंधी समस्याओं से जुड़ा हुआ है।

इम्यून सिस्टम को करता है मजबूत

आम विटामिन सी और विटामिन ए से भरपूर होता है, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत करने के महत्वपूर्ण माने जाते हैं, जिससे आप कई तरह के संक्रमणऔर अन्य बीमारियों से बच सकते हैं।

दिल की सेहत के लिए

आम में मैग्नीशियम, पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट गुण मौजूद होते हैं। ये तत्व दिल को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। आम के सेवन से आप दिल से जुड़ी बीमारियों से बच सकते हैं।

पाचन तंत्र को रखे दुरुस्त

आम में फाइबर पाया जाता है, जो पाचन को बेहतर बनाता है। इसमें मौजूद एंजाइम पाचन शक्ति को बढ़ाते हैं। अगर आप नियमित रूप से आम खाते हैं, तो पाचन बेहतर हो सकता है।

कमजोर बालों से हो गई हैं परेशान तो अपनाएं ये हेयर केयर रूटीन, नहीं टूटेगा एक भी बाल

हर महिला अपने बालों का ध्यान काफी ध्यान रखती हैं, क्योंकि हर किसी को लंबे और घने बालों का शौक होता है। लेकिन बाल टूटने की समस्या हर महिला के साथ होती है। इसके कई सारे कारण होते हैं। क्योंकि आजकल की बिजी लाइफस्टाइल की वजह से बालों की अच्छे से केयर नहीं हो पाती है। जिसके कारण बाल टूटने लगते हैं। हालांकि इस समस्या को कम करने के लिए महिलाएं कई नुस्खे अपनाती हैं। वहीं कई महंगे प्रोडक्ट का भी इस्तेमाल करती हैं। लेकिन कई बार इन प्रोडक्ट्स से फायदा नहीं मिलता है या इस्तेमाल बंद करने के बाद दोबारा समस्या शुरू हो जाती है। इस समस्या से निजात पाने के लिए हम आपके साथ कुछ टिप्स शेयर करने जा रहे हैं। ऐसे में अगर आप रात को सोने से पहले ये टिप्स फॉलो करती हैं, तो बालों के टूटने की समस्या कम हो सकती है।

रात को न धोएं बाल

कई महिलाएं रात के समय बालों को धोती हैं, लेकिन ऐसा करना गलत है। जब आप रात के समय बालों को धोती हैं, तो बाल गीले बने रहते हैं। वहीं गीले बालों में सोने के कारण बाल कमजोर हो जाते हैं और इनके टूटने की समस्या पैदा होने लगती है। यदि आप रात में हेयर वॉश के बाद बालों को सुखाने के लिए हेयर ड्रायर की मदद लेती हैं। तो इससे भी आपके बाल कमजोर होते हैं और बालों के टूटने की समस्या होने लगती है। इसलिए रात में हेयर वॉश को इग्नोर करना चाहिए।

रात में न बांधे बाल

बहुत सारी महिलाएं रात में बालों को बांधकर सोती हैं। लेकिन रात में बालों को खोलकर सोना चाहिए। क्योंकि अगर आप रात में बालों को बांधकर सोती हैं, तो इससे बालों में खिंचाव पैदा होता है और बाल कमजोर होने लगते हैं। वहीं बालों के टूटने की समस्या शुरू हो सकती है। बालों को बांधने से यह रात में मुड़ते हैं, तो भी बाल टूटने लगते हैं। इसलिए जरूरी है कि रात को सोने के दौरान बालों को न बांधे। अगर आप बाल खुले करके नहीं सो सकती हैं, तो एकदम ढीली चोटी करनी चाहिए।

नारियल पानी भी सेहत को पहुंचा सकता है नुकसान, जानिए कैसे

नारियल पानी एक बहुत ही हेल्दी और नेचुरल ड्रिंक है। इसे पीना लगभग सभी को बेहद पसंद होता है। लेकिन क्या जानते हैं कि नारियल पानी भी नुकसान पहुंचा सकता है। आप भी सोच रहे होंगे कि भला नारियल पानी पीने से सेहत को क्या नुकसान हो सकता है? तो हम आपको बता दें कि आप डाइट जिस तरीके से लेते हो ये भी बहुत महत्वपूर्ण है। इस तरीके में ही फायदा या नुकसान छुपा होता है।

ऐसे ना पिएं नारियल पानी

दवाओं के साथ न पिएं नारियल पानी

नारियल पानी में पोटेशियम की मात्रा बहुत ही ज्यादा होती है। कुछ दवाओं से टॉयलेट में दिक्कत हो सकती है और एसीई अवरोधकों के साथ परस्पर क्रिया कर सकता है। अगर आप दवा ले रहे हैं तो नारियल पानी के सेवन से परहेज करें।

स्टोर किया हुआ नारियल पानी

कई बार लोग नारियल पानी पैक करना लेते हैं और फ्रिज में स्टोर करते हैं। वहीं बाजार में तो आजकल बॉटल में इतंदक वाले नारियल पानी भी बिकते हैं, लेकिन ये सेहत के लिए हानिकारक होते हैं। इसमें चीनी की मात्रा भी ज्यादा होती है, जिससे ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है। इसलिए या तो ताजा नारियल पानी पीनी की कोशिश करें, लेकिन अगर पैकेड नारियल पानी ही ले रहे हैं तो पैकिंग में शुगर लेवल पढ़कर ही खरीदें। ऐसी नारियल पानी वाली बॉटल का चयन करें जिसमें चीनी न डाली गई हो।

वहीं एक रिसर्च की मानें तो ज्यादा नारियल पानी पीने से टॉयलेट में पोटेशियम की मात्रा बढ़ सकती है और आपकी जान पर भी बन आती है। आइए आपको बताते हैं ज्यादा नारियल पानी पीने सेहत के लिए नुकसानदायक क्यों है?

ज्यादा नारियल पानी पीना है नुकसानदायक

नारियल पानी एक नेचुरल इलेस्ट्रोलाइट से भरपूर ड्रिंक है, जिसमें कैलोरी और चीनी की मात्रा कम होती है। वहीं इसमें पोटेशियम, मैग्नीशियम और कैल्शियम और आयरन होता है। नारियल पानी खुद को हाइड्रेट करने और तरोताजा महसूस करने का बेस्ट तरीका है। नारियल पानी आपके हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है। हालांकि किसी भी चीज को हद से ज्यादा पिया जाए तो वो सेहत के लिए नुकसानदायक होता है। ये शरीर में एलर्जी पैदा करता है।

एलर्जी का कारण बन सकता है नारियल पानी

हालांकि ऐसा कम ही देखने को मिलता है पर, कुछ व्यक्तियों को नारियल पानी से एलर्जी हो सकती है, जिससे खुजली, पित्ती या सूजन जैसे लक्षण हो सकते हैं। यदि आपको एलर्जी का संदेह है, तो तुरंत हेल्थ एक्सपर्ट्स से सलाह लें।

टैनिंग की समस्या से निजात पाने के लिए अपनाएं ये घरेलू नुस्खे, त्वचा में आएगा निखार

आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनको अपनाने से आप सन टैनिंग की समस्या से राहत पा सकती हैं। इन नुस्खों को अपनाने से खोई हुई रंगत भी लौट सकती हैं।

गर्मियों के मौसम में सिर्फ हमें अपनी सेहत का ही नहीं बल्कि बालों से लेकर स्किन तक का खास ख्याल रखना पड़ता है। वहीं बात जब स्किन की आती है, तो इस मौसम में टैनिंग की समस्या आम मानी जाती है। टैनिंग की समस्या से बचने के लिए हम एसपीएफ वाली सनस्क्रीन का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि इन सनस्क्रीन की मदद से आप न्ट। और न्टठ जैसी हानिकारक किरणों से तो बच जाते हैं, लेकिन फिर भी हमारी सेंसिटिव त्वचा टैनिंग का शिकार हो जाती है। टैनिंग की समस्या से बचने के लिए गर्मियों में हम सभी हाफ स्लीव और बैकलेस कपड़े नहीं पहन पाते हैं। सूरज की किरणों से काली हुई स्किन को ठीक होने में समय लगता है। ऐसे में अगर आप भी टैनिंग की समस्या से जल्द से जल्द राहत पाना चाहती हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनको अपनाने से आप सन टैनिंग की समस्या से राहत पा सकती हैं। इन नुस्खों को अपनाने से खोई हुई रंगत भी लौट सकती हैं।

बादाम है फायदेमंद

बादाम में एमोलिएंट्स और फैटी एसिड भरपूर मात्रा में पाया जाता है। जो त्वचा को हाइड्रेट करने और पोषण देने में सहायता करता है। धूप से झुलसी स्किन पर बादाम तेल अप्लाई करने से नमी आती है।

सबसे पहले एक कटोरी में 1 चम्मच बादाम पाउडर और 1 चम्मच शहद डालकर मिक्स करें।

फिर इस मास्क को अपने फेस और गर्दन पर 15–20 मिनट के लिए अप्लाई करें और सूखने के बाद गुनगुने पानी से चेहरा धो लें।

यह नुस्खा टैनिंग की समस्या को कम करेगा। आप चाहें तो सप्ताह में दो से तीन बार इस फेसपैक को लगा सकती हैं।

छाछ से बनें ओट्स

ओट्स हमारी सेहत के लिए फायदेमंद होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह टैन स्किन के लिए भी लाभकारी होता है। यह हमारी त्वचा को एक्सफोलिएट करने के साथ–साथ डेड सेल्स हटाने में सहायता करता है। वहीं छाछ के इस्तेमाल से स्किन कोमल और मुलायम होती है। ऐसे में इसका इस्तेमाल करना और बनाना बेहद आसान है।

एक बाउल में 1 बड़ा चम्मच ओट्स और 2 बड़े चम्मच छाछ मिला लें।

फिर इस पेस्ट को गर्दन, फेस, हाथ और पैरों में मालिश करते हुए अप्लाई करें। अब इसको 20 मिनट के लिए छोड़ दें और फिर नॉर्मल पानी से धो लें।

अगर आप सप्ताह में दो बार इस पैक को लगाती हैं तो आपको टैन स्किन से छुटकारा मिल जाएगा।

बादाम तेल

इसके साथ ही बादाम का तेल भी सन टैन को दूर करने में फायदेमंद होता है। बादाम तेल से मसाज करना भी लाभकारी होता है। टैनिंग की समस्या को हटाने के लिए बादाम तेल को हाथों पर अच्छे से रगड़ें और फिर स्किन पर मसाज करें। इसको रात भर के लिए लगा रहने दें। आप इसको तब तक लगा सकते हैं, जब तक आपकी त्वचा पहले की तरह ग्लो न करने लगे और टैनिंग की समस्या न खत्म हो जाए।

मसूर दाल

बता दें कि मसूर की दाल में एक्सफोलिएटिंग गुण पाया जाता है। वहीं टमाटर में एंटीऑक्सीडेंट गुण होने के साथ एसिड नेचर होता है। जो आपकी त्वचा में निखार लाने का काम करता है। वहीं एलोवेरा हमारी स्किन को मॉइस्चराइज करने के साथ ठंडक पहुंचाता है।

मसूर दाल को रात में पानी में भिगो दें और फिर इसको ब्लेंड कर लें। अब कटोरी में टमाटर का रस निकालकर दाल के पेस्ट में मिक्स करें। अब इस पेस्ट को अपने फेस और गर्दन पर 20–30 मिनट के लिए अप्लाई करें।

वहीं पेस्ट सूखने के बाद हल्के गुनगुने पानी से चेहरा साफ कर लें।

शारीरिक और मानसिक तनाव से राहत पाने के लिए करें शशांकासन का अभ्यास

शशांकासन, जिसे खरगोश मुद्रा के नाम से भी जाना जाता है, एक आरामदायक आगे की ओर झुकने वाला योग आसन है। श्शशांकासनश नाम संस्कृत के शब्द शशांक जिसका अर्थ है चंद्रमा या खरगोश और आसन जिसका अर्थ है मुद्रा से लिया गया है। यह आसन अपने शांत करने वाले प्रभावों के लिए जाना जाता है, जो आराम की मुद्रा में लेटे हुए खरगोश जैसा दिखता है।

शशांकासन कैसे करें?

वज्रासन (वज्र मुद्रा) में बैठकर इस आसान को करने की शुरुआत करें। अब अपने हाथों को अपने घुटनों पर रखें और फिर घुटनों को जितना खोल सकते हैं खोल लें। इस दौरान ध्यान रखने की आपके पैरों के अंगूठे आपस में मिले हों। इसके बाद अपने दोनों हाथों को अपने घुटने के बीच रखें और सांस बाहर की और छोड़ते हुए हाथ को जमीन पर आगे की ओर सरकाते हुए अपने शरीर को आगे लेकर जाएं। इस दौरान अपने हाथों को एक दूसरे की सिधाई में रखना है और आपकी थुड़ी जमीन पर लगी होनी चाहिए। सामान्य रूप से साँस लेते हुए थोड़ी देर इस आसान को बनाए रखें और फिर गहरी साँस लें और वापस शुरुआती स्थिति में आ जाएं।

शशांकासन के लाभ?

शशांकासन करने से कई शारीरिक लाभ मिलते हैं। यह आसन पीठ, कंधों और गर्दन में तनाव को दूर करने में मदद करता है। यह रीढ़ की हड्डी को हल्का खिंचाव देता है, जिससे लचीलापन बढ़ता है। आगे की ओर झुकने से पेट के अंगों की मालिश होती है, जिससे पाचन में सहायता मिलती है। यह विश्राम को बढ़ावा देकर और तनाव को कम करके थकान को कम करने में मदद करता है। इसके मानसिक और भावनात्मक लाभों की बात करें तो ये मन पर शांत प्रभाव डालता है, चिंता और तनाव को कम करता है।

यह शांत और स्पष्टता की भावना लाकर एकाग्रता में सुधार करने में मदद करता है। यह मुद्रा विश्राम और शांति की स्थिति को प्रेरित करके भावनात्मक स्थिरता को बढ़ावा देती है। यह गर्दन और कंधों में तनाव को कम करके सिरदर्द को कम करने में मदद कर सकता है। सोने से पहले इस मुद्रा का अभ्यास करने से नींद की गुणवत्ता में सुधार और अनिद्रा को कम करने में मदद मिल सकती है।

किन लोगों को नहीं करना चाहिए शशांकासन?

घुटने की चोट या गंभीर घुटने के दर्द वाले व्यक्तियों को इस मुद्रा को करने से बचना चाहिए या फिर सावधानी से इसका अभ्यास करना चाहिए। इसके अलावा जिन लोगों को पीठ की गंभीर समस्या है, उन्हें इस आसन को करने से पहले किसी स्वास्थ्य सेवा पेशेवर से सलाह लेनी चाहिए। गर्भवती महिलाओं को आगे की ओर झुकने से बचना चाहिए और इस आसन का अभ्यास करने से पहले डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

संक्षिप्त

स्विस बैंक में पैसा जमा करने से बच रहे भारतीय, 10 साल में आई 18 फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली। स्विस बैंक में पैसा जमा करने से भारतीयों का मोहभंग होता जा रहा है। स्विस बैंक में भारत के लोग अब अपनी रकम कम जमा कर रहे हैं। स्विस नेशनल बैंक (एसएनबी) के आंकड़ों के मुताबिक 10 साल में बैंक में भारतीयों की ओर से पैसा जमा करने में 18 फीसदी गिरावट आई है। डाटा में बताया गया है कि 2015 में बैंक में भारतीयों की जमा रकम लगभग 425 मिलियन स्विस फ्रैंक थी। जो 2024 में 346 मिलियन स्विस फ्रैंक हो गई। स्विस नेशनल बैंक के आंकड़ों में बताया गया कि भारतीय जमा राशि में कोविड–19 के दौरान इजाफा हुआ था। तब बैंक में भारतीयों की 602 मिलियन स्विस फ्रैंक रकम जमा थी। जो 10 साल के उच्च स्तर को छू गई थी। महामारी के बाद जमा में गिरावट शुरू हो गई। 2023 में यहां भारतीयों की 309 मिलियन स्विस फ्रैंक रकम जमा थी, लेकिन 2024 में 37 मिलियन स्विस फ़्रैंक बढ़कर 346 मिलियन स्विस फ्रैंक तक पहुंच गई। भारत के साथ ही अन्य देशों की जमा रकम में भी गिरावट आई है। उदाहरण के लिए यूके के नागरिकों की जमा राशि 2015 में 44 बिलियन स्विस फ्रैंक से घटकर 2024 में 31 बिलियन स्विस फ्रैंक हो गई। जबकि चीनी जमा राशि में भी गिरावट रही। जो 5.01 बिलियन स्विस फ़्रैंक से घटकर 4.3 बिलियन स्विस फ्रैंक हो गई। भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान और बांग्लादेश के नागरिकों की जमा रकम में भी गिरावट आई। आंकड़ों के अनुसार 2015 में पाकिस्तानियों की जमा राशि 947 मिलियन स्विस फ्रैंक थी, जो 2024 तक 241 मिलियन स्विस फ्रैंक तक गिर गई। बांग्लादेशी नागरिकों की जमा राशि भी कम हुई है। सऊदी अरब की जमाराशि 10 साल की अवधि के दौरान लगभग आधी हो गई। यह 2015 में 8.3 बिलियन स्विस फ्रैंक से गिरकर 2024 में 4.8 बिलियन स्विस फ्रैंक हो गई। सबसे ज्यादा गिरावट अमेरिकी नागरिकों की ओर से जमा राशि में देखी गई। स्विस बैंकों में उनकी जमाराशि 2015 में 64.2 बिलियन स्विस फ्रैंक से 2024 में 24.4 बिलियन स्विस फ्रैंक तक गिर गई, जो लगभग 62 प्रतिशत की गिरावट है। यह गिरावट स्विस बैंकों में विदेशी जमा राशि में कमी की प्रवृत्ति को दर्शाती है। कड़े नियमन, बढ़ी हुई जांच और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय पारदर्शिता मानदंडों में बदलाव के कारण ऐसा हो सकता है।

शिवसुब्रमण्यम बने PFRDA के नए अध्यक्ष, बांग्लादेश को ADB और विश्व बैंक से 2.14 अरब डॉलर की मदद

नई दिल्ली। शिवसुब्रमण्यम रमण ने शुक्रवार को पेंशन निधि नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। भारत सरकार ने उन्हें पांच साल के कार्यकाल के लिए नियुक्त किया है। इनसे पहले दीपक मोहंती पीएफआरडीए के अध्यक्ष थे।

रमण ने संभाले कई महत्वपूर्ण पद

रमण 1991 बैच से भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा सेवा (आईएएंडएएस) के अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। पीएफआरडीए में शामिल होने से पहले, उन्होंने भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के कार्यालय में उप नियंत्रक और महालेखा परीक्षक और मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी के रूप में कार्य किया। इसके अलावा वे भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, राष्ट्रीय ई–गवर्नेंस सेवा लिमिटेड (एनईएसएल) के प्रबंध निदेशक और झारखंड के प्रधान महालेखाकार सहित कई नेतृत्व पदों पर कार्य किया है। उन्होंने 2006 से 2013 तक मुख्य महाप्रबंधक (सीजीएम) और उसके बाद भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) में कार्यकारी निदेशक के पद पर भी कार्य किया।

बांग्लादेश को एडीबी और विश्व बैंक से मिला 2.14 अरब डॉलर का कर्ज

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने बांग्लादेश को 1.5 अरब डॉलर के ऋण को मंजूरी दी है। यह कर्ज बांग्लादेश को अपने बैंकिंग क्षेत्र में सुधार, जलवायु परिवर्तन से निपटने और अन्य परियोजनाओं में मदद के लिए दी जा रही है। इसके अलावा गुरुवार को विश्व बैंक ने बांग्लादेश में गैस आपूर्ति बढ़ाने और वायु गुणवत्ता में सुधार लाने के उद्देश्य से दो परियोजनाओं के लिए 640 मिलियन अमेरिकी डॉलर की मंजूरी दी। एडीबी और विश्व बैंक की मंजूरी के साथ, बांग्लादेश को 2.14 अरब डॉलर की मदद मिलेगी।

चीन–यूएस के बाद बिजली उत्पादन में दुनिया में सबसे आगे निकला भारत, स्वच्छ ऊर्जा बनी बड़ी ताकत

भारत पिछले पांच वर्षों में बिजली उत्पादन क्षमता के मामले में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश बन गया है। बिजली उत्पादन वृद्धि में अब सिर्फ अमेरिका और चीन ही भारत से आगे हैं। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) की नवीनतम रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में कई कारणों से बिजली की मांग तेजी से बढ़ रही है। इनमें वाणिज्यिक एवं आवासीय स्थानों का विस्तार, एयर कंडीशनर (एसी) व अन्य घरेलू उपकरणों के इस्तेमाल में वृद्धि और उद्योगों की बढ़ती मांग शामिल है। इस मांग को पूरा करने के लिए भारत में सभी ऊर्जा स्रोतों से बिजली उत्पादन बढ़ाया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बिजली उत्पादन के इस विस्तार का प्रमुख चालक अक्षय ऊर्जा की ओर मजबूत झुकाव है, क्योंकि स्वच्छ ऊर्जा और विशेष रूप से सौर फोटोवोल्टिक (पीवी) परियोजनाओं में बड़े स्तर पर निवेश किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले पांच वर्षों में भारत में गैर–जीवाश्म ऊर्जा परियोजनाओं में किए गए कुल निवेश में सौर पीवी की आधे से अधिक हिस्सेदारी रही। 2024 में भारत के बिजली क्षेत्र में किए गए कुल निवेश का 83 फीसदी हिस्सा स्वच्छ ऊर्जा पहलों पर खर्च किया गया। भारत के बिजली क्षेत्र में विदेशी निवेश बढ़ाने में सरकारी नीतियों का अहम योगदान है, जो बिजली उत्पादन (परमाणु ऊर्जा को छोड़कर) और ट्रांसमिशन बुनियादी ढांचे से जुड़े सभी क्षेत्रों में 100 फीसदी एफडीआई की अनुमति देती है।

वेस्टइंडीज सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का एलान, लाबुशेन बाहर, स्मिथ नहीं खेल पाएंगे पहला मुकाबला

ब्रिजटाउन। आगामी वेस्टइंडीज दौरे के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का एलान हो गया है। चयनकर्ताओं ने चौंकाते हुए खराब फॉर्म में चल रहे मार्नस लाबुशेन को टीम से बाहर कर दिया है। यह आश्चर्यजनक इसलिए है क्योंकि हाल ही में ऑस्ट्रेलियाई टीम के कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा था कि लाबुशेन आगामी विश्व टेस्ट चौंपियनशिप चक्र के लिए टीम के लिए बहुत जरूरी होंगे। वहीं, इस सीरीज के लिए स्टीव स्मिथ को भी पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल नहीं किया गया है। वह डब्ल्यूटीसी 2025 फाइनल के दौरान अंगुली में चोट लगा बैठे थे। ऑस्ट्रेलियाई टीम तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए वेस्टइंडीज का दौरा करेगी। इस दौरान 25 जून से बारबाडोस में पहला टेस्ट और तीन जुलाई से ग्रनाडा में दूसरा टेस्ट खेला जाएगा। तीसरा टेस्ट 12 जुलाई से जमैका में खेला जाएगा। इसी के साथ दोनों टीमें डब्ल्यूटीसी के 2025–27 चक्र की शुरुआत करेंगी। लाबुशेन पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं और इसी वजह से मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने उन्हें ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम से बाहर कर दिया। लाबुशेन ने पिछली बार इस प्रारूप में पिछला शतक 2023 के जुलाई में इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में लगाया था। इसके बाद से वह 16 टेस्ट में 24.74 की औसत से 668 रन बना पाए थे। इसमें सात अर्धशतक शामिल है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ डब्ल्यूटीसी फाइनल में भी उनका बल्ला खामोश रहा था और वह पहली पारी में 17 रन और दूसरी पारी में 22 रन बना पाए थे। ओवरऑल रिकॉर्ड की बात करें तो लाबुशेन का 104 टेस्ट पारियों में औसत 46.19 है, जिसमें 11 शतक और 23 अर्धशतक शामिल हैं। खास बात यह है कि ड्रॉप होने से लाबुशेन और स्मिथ दोनों का लगातार टेस्ट खेलने का सिलसिला टूट

गया। लाबुशेन पिछली बार 2019 में एशेज के पहले टेस्ट में बेंच पर बैठे थे। इसके बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए लगातार 53 टेस्ट खेले। वहीं, स्मिथ पिछली बार 2019 एशेज के दौरान ही लीड्स में तीसरे टेस्ट में बेंच पर बैठे थे। इसके बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए लगातार 51 टेस्ट खेले। अब यह सिलसिला टूट जाएगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को कहा कि स्मिथ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मैच से बाहर रहेंगे क्योंकि लॉर्ड्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व टेस्ट चौंपियनशिप के फाइनल में उन्हें चोट लगी थी। उनके वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए फिट होने की उम्मीद है। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा कि सैम कोंस्टास और विकेटकीपर बल्लेबाज जोश इंगलिस को स्मिथ और मार्नस लाबुशेन की जगह टीम में शामिल किया गया है। बेली ने कहा, हमने स्टीव और मार्नस की जगह जोश और सैम को मौका देने का निर्णय लिया है। हम उन्हें मौका देकर उत्साहित हैं। बेली ने कहा, अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में मार्नस इस टीम का एक महत्वपूर्ण सदस्य हो सकते हैं। वह समझते हैं कि उसका प्रदर्शन उस स्तर का नहीं रहा है जिसकी हम या वह उम्मीद करते हैं।

शुभमन गिल के कप्तान बनने पर केएल राहुल ने उनसे कही थी दिल छूने वाली बात

शुभमन गिल गिल के पास दिग्गजों की गैरमौजूदगी में टीम की दिशा और दशा तय करने की बड़ी जिम्मेदारी और चुनौती है। ऐसे में जैसे ही उन्हें कप्तान बनाने जाने का ऐलान हुआ तो केएल राहुल ने उनसे संपर्क साधा। हर तरह के सहयोग का भरोसा दिया और साथ में बेशकीमती और बेबाक सलाह भी कि उन्हें बतौर कप्तान क्या करने की जरूरत है।

आज से भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज होने जा रहा है। शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इंडिया इस सीरीज के लिए कमर कस चुकी है। हालांकि, भारत की इस टीम में कई युवा खिलाड़ी हैं जो पहली बार इंग्लैंड की सरजमीं और इंग्लैंड के खिलाफ अपनी प्रतिभा दिखाएंगे। तो टीम में कुछ सीनियर खिलाड़ी भी है जिससे टीम को अनुभव की ताकत मिलेगी। वहीं केएल राहुल भी इन्हीं सीनियर खिलाड़ियों में से एक हैं। जो टेस्ट में भारत के कप्तानी कर चुके हैं। अपनी कप्तानी में 3 टेस्ट में से 2 में उन्होंने टीम को जीत दिलाई। साथ ही जब शुभमन गिल को टेस्ट टीम की कमान सौंपी गई तो उन्होंने उस समय जो कहा वो दिल जीतने वाला है।

विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास के बाद गिल के हाथ में टेस्ट टीम की कमान सौंपी गई। आर अश्विन भी क्रिकेट को अलविदा कह चुके हैं। ऐसे में गिल के पास दिग्गजों की गैरमौजूदगी में टीम की दिशा और दशा तय करने की बड़ी जिम्मेदारी और चुनौती है। ऐसे में जैसे ही उन्हें कप्तान बनाने जाने का ऐलान हुआ तो केएल राहुल ने उनसे संपर्क साधा। हर तरह के सहयोग का भरोसा दिया और साथ में बेशकीमती और बेबाक सलाह भी कि उन्हें बतौर कप्तान क्या करने की जरूरत है। सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क से खास बातचीत में केएल राहुल ने बताया कि, जब टीम का ऐलान हुआ और जब उसे (शुभमन गिल) कप्तान बनाया तब मैंने गिल से संपर्क किया। मैंने उससे कहा कि मैं हर वक्त तुम्हारे लिए मौजदू हूं। किसी भी तरह की मदद, किसी भी तरह के मार्गदर्शन की जरूरत हो अगर तुम्हें

किसी को कुछ शेयर करना हो या बात करनी हो तो मैं हमेशा मौजूद हूं। लेकिन मेरा मानना है कि तुम्हें भी लोगों को उनका स्पेस देने की जरूरत होगी। केएल राहुल ने आगे बताया कि, हम साथ रहे हैं। अगर हम अपने हिसाब से नतीजे नहीं पाते तो कहीं न कहीं उसमें सबसे गलतियां हुई होंगी। ये बदलने नहीं जा रहा। हम टीम में सबकी मदद करना चाहते हैं मैं इसके लिए हमेशा तैयार हूं।

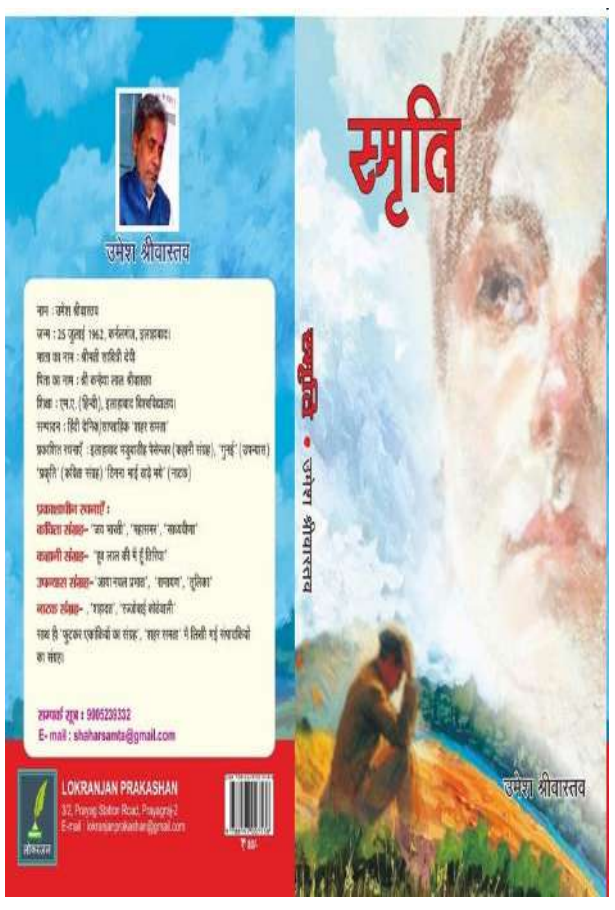

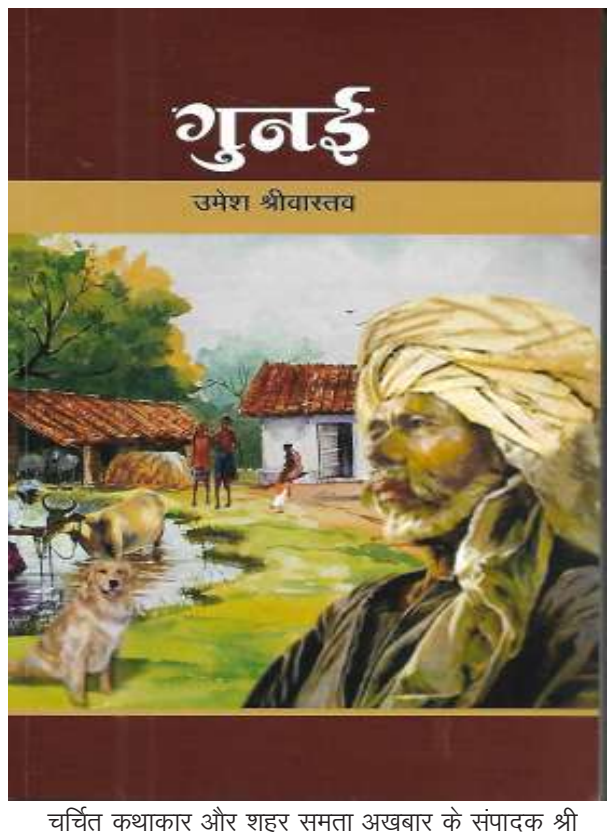

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

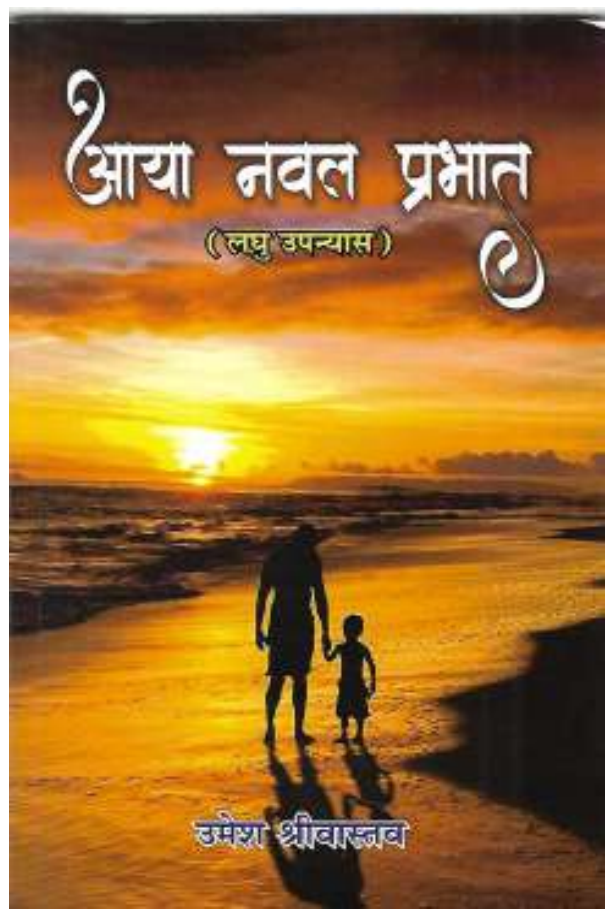

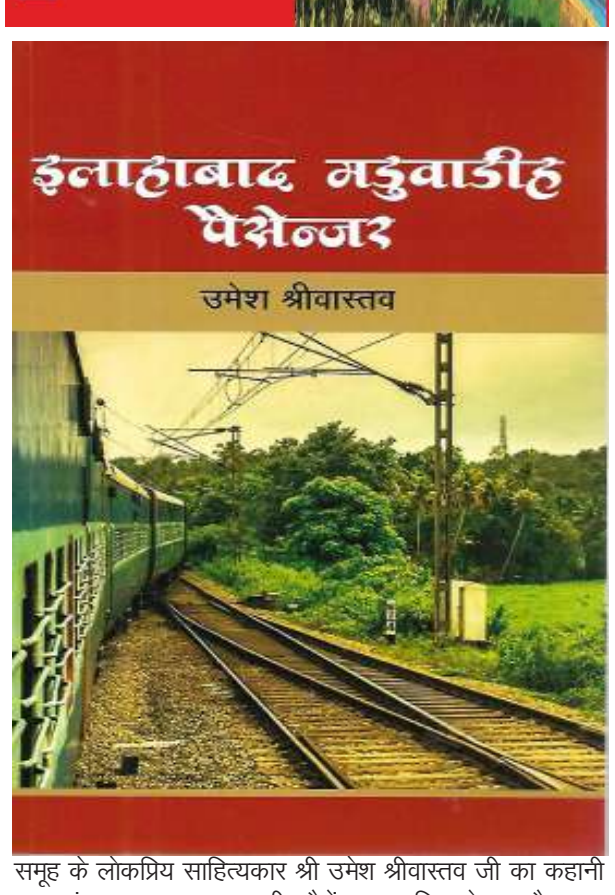

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

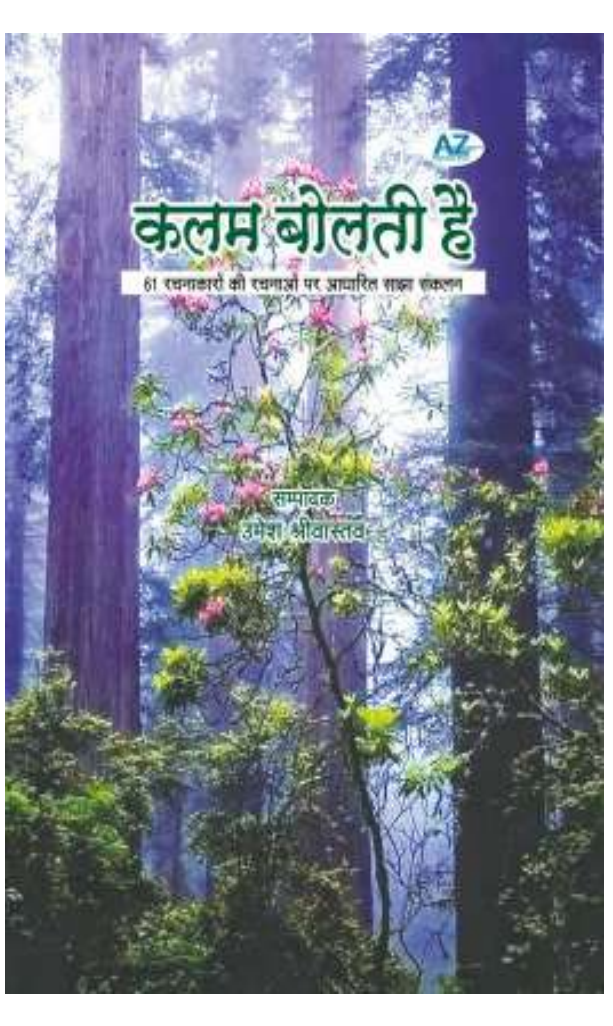

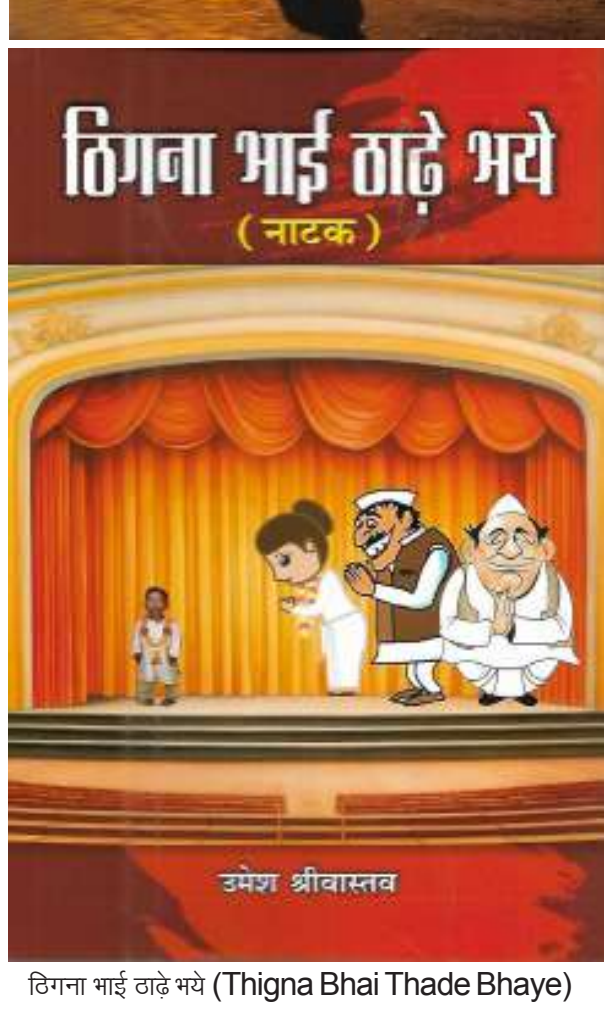

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

इजराइली हमलों से कोई भी सुरक्षित नहीं है : प्रधानमंत्री नेतन्याहू

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बृहस्पतिवार को कहा कि इजराइली हमलों से ''कोई भी सुरक्षित नहीं है।'' उन्होंने संकेत दिया कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई भी ''निशाने'' पर हो सकते हैं। नेतन्याहू ने यह टिप्पणी दक्षिणी इजराइली शहर बीरशेबा में 'सोरोका मेडिकल सेंटर' के दौरे के दौरान एक सवाल के जवाब में की, जिस पर बृहस्पतिवार सुबह ईरान ने मिसाइल हमला किया था। नेतन्याहू ने कहा, ''मैंने निर्देश दिए हैं कि कोई भी इससे (हमले से) अछूता नहीं

है।'' इजराइल के प्रधानमंत्री ने कहा कि वह कुछ बोलने में नहीं बल्कि कार्रवाई करके दिखाने में भरोसा करते हैं। नेतन्याहू ने कहा, ''युद्ध के दौरान शब्दों का चयन सावधानी से करना चाहिए और कार्रवाई में सटीकता होनी चाहिए। सभी विकल्प खुले हैं। प्रेस में इस बारे में बात न करना ही बेहतर है।'' प्रधानमंत्री ने दोहराया कि ईरान में इजराइल की कार्रवाई उसके परमाणु कार्यक्रम और मिसाइल भंडार के खिलाफ थी, न कि ''उसकी (ईरान) तरह निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाने के लिए।'' नेतन्याहू ने कहा, ''वे उन अस्पतालों पर बमबारी करते हैं, जहां लोग खतरे से बच नहीं सकते।'' उन्होंने कहा, ''यह एक ऐसे कार्यशील लोकतंत्र और इन हत्यारों के बीच का अंतर है, जो कानून का पालन करता है।'' ईरान के परमाणु कार्यक्रम को विफल करने के लिए इजराइली अभियान में अमेरिका की सीधी भागीदारी के बारे में पूछे जाने पर नेतन्याहू ने कहा कि यह फैसला ''राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लेना है।'' नेतन्याहू ने कहा, ''वह (ट्रंप) वही करेंगे जो अमेरिका के लिए अच्छा है, और मैं वही करूंगा जो इजरायल के लिए अच्छा है।

कनाडा में भारतीय छात्रा की मौत

कनाडा के कैलगरी विश्वविद्यालय में एक भारतीय छात्रा की मौत हो गई। वैंकूवर में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। वाणिज्य दूतावास ने कहा कि वह भारतीय छात्रा तान्या त्यागी के ''अचानक हुए निधन से दुखी है।'' इसने कहा, ''वाणिज्य दूतावास अधिकारियों के संपर्क में है और शोकसंतप्त परिवार को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करेगा।'' यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि भारतीय छात्रा की मौत कैसे और किन परिस्थितियों में हुई।

ईरान पर हमला करने या न करने का फैसला दो सप्ताह के भीतर लेंगे ट्रंपरू व्हाइट हाउस

व्हाइट हाउस ने बृहस्पतिवार को कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले दो सप्ताह के भीतर यह निर्णय लेंगे कि ईरान पर हमला करना है या नहीं। ट्रंप को अब भी इस बात की 'पर्याप्त' संभावना दिखती है कि वार्ता के माध्यम से ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर अमेरिका और इजराइल की मांगें पूरी हो सकती हैं। प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट द्वारा की गई घोषणा में राष्ट्रपति द्वारा ईरान को दी गई चेतावनी की समयसीमा बढ़ा दी गई है। ईरान को अपने संवर्धन कार्यों और परमाणु हथियार बनाने की किसी भी अन्य संभावना को तुरंत बंद करने की चेतावनी दी गई है। लेविट ने ट्रंप के हवाले से कहा, "निकट भविष्य में ईरान के साथ बातचीत होने या न होने की पर्याप्त संभावना है और इस बात को ध्याम में रखते हुए कि हमला करना है या नहीं, इस पर मैं अगले दो सप्ताह के भीतर निर्णय लूंगा।

इजरायल का डिफेंस सिस्टम फेल? ईरान ने बरसाई विध्वंसक मिसाइलें

इजरायल पर ईरान ने जोरदार हमला बोला है। दक्षिण इजरायल की बिल्डिंग पर अटैक किया है। बैलेस्टिक मिसाइल से ईरान ने अटैक किया है। ईरान के हमले के बाद बीर्शेबा की बिल्डिंग में धमाका हुआ है। बारूदी धुएं ने देखते ही देखते पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया। भयानक तबाही की तस्वीरें दक्षिण इजरायल से सामने आई हैं। इज़रायली रक्षा बलों ने कहा कि उन्होंने रात भर में कई हमलों में ईरान के कई सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। ईरान ने आज इज़रायल पर मिसाइलों की एक और बौछार की और शहर के सोरोका अस्पताल पर हमले के बाद लगातार दूसरे दिन बीरशेबा शहर पर हमला किया। ईरानी मिसाइलों ने दक्षिणी इज़राइल की सबसे बड़ी चिकित्सा सुविधा सोरोका अस्पताल और तेल अवीव में आवासीय भवनों पर हमला किया, जिसमें 240 लोग घायल हो गए और व्यापक क्षति हुई। इज़राइल के रक्षा मंत्री, इज़राइल कैट्ज़ ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को दोषी ठहराया और सेना को किसी भी कीमत पर ईरान में अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के निर्देश दिए हैं। कैट्ज़ ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इज़राइल रक्षा बलों (आईडीएफ) को निर्देश दिया गया है और वे जानते हैं कि अपने सभी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए, इस आदमी को बिल्कुल भी अस्तित्व में नहीं रहना चाहिए। इज़राइल ने ईरान के अराक हेवी वाटर रिएक्टर पर हमला किया, जो ईरान के व्यापक परमाणु कार्यक्रम पर उसका नवीनतम हमला है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

हिल गया इजराइल का वैज्ञानिक समुदाय! प्रमुख वैज्ञानिक शोध संस्थान पर ईरान ने किया हमला

इजराइल वर्षों से ईरान के परमाणु वैज्ञानिकों को निशाना बनाता रहा है ताकि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को आगे बढ़ने से रोका जा सके लेकिन अब दोनों देशों के बीच जारी संघर्ष में इजराइल के वैज्ञानिक भी निशाने पर आ गए हैं। दोनों ओर से जारी हमलों के बीच ईरान की मिसाइल ने इजराइल के ऐसे प्रमुख शोध संस्थान पर हमला किया है जो जीवन विज्ञान और भौतिकी समेत विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में अपने काम के लिए जाना जाता है।

वैज्ञानिक समुदाय हिल गया

'वीजमैन विज्ञान संस्थान' पर रविवार तड़के हुए हमले में हालांकि किसी की मौत नहीं हुई, लेकिन इससे परिसर में स्थित कई प्रयोगशालाओं को भारी क्षति पहुंची है जिससे वर्षों से जारी शोध कार्य प्रभावित हुए हैं और इजराइली वैज्ञानिकों को यह भयावह संदेश गया है कि ईरान के साथ बढ़ते संघर्ष में अब वे एवं उनके शोध कार्य भी निशाने पर आ गए हैं। आणविक कोशिका जीव विज्ञान विभाग और आणविक तंत्रिका विज्ञान विभाग के प्रोफेसर ओरेन शुल्डिनर की प्रयोगशाला इस हमले में नष्ट हो गई। उन्होंने कहा, ''यह ईरान के लिए एक नैतिक जीत है। वे इजराइल में विज्ञान के क्षेत्र के प्रमुख संस्थान को नुकसान पहुंचाने में कामयाब रहे।''

इजराइल के प्रमुख वैज्ञानिक शोध संस्थान पर हमला किया

इजराइल ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को पीछे धकेलने के उद्देश्य से ईरानी परमाणु वैज्ञानिकों को कई बार निशाना बनाया है। इजराइल ने कुछ दिन पहले ईरान के खिलाफ अपने शुरुआती हमले में भी यही रणनीति जारी रखी। हमले में कई शीर्ष जनरल के साथ कई परमाणु वैज्ञानिक मारे गए। ईरान के परमाणु केंद्रों एवं बैलिस्टिक मिसाइल संबंधी बुनियादी ढांचे पर हमला किया गया। 'वीजमैन विज्ञान संस्थान' की स्थापना 1934 में की गई थी और बाद में इसका नाम बदलकर इजराइल के पहले राष्ट्रपति के नाम पर वीजमैन रखा गया। यह दुनिया के शीर्ष शोध संस्थानों में से एक है। इसके वैज्ञानिक और शोधकर्ता हर साल सैकड़ों अध्ययन प्रकाशित करते हैं। रसायन विज्ञान में नोबेल पुरस्कार और तीन ट्यूरिंग पुरस्कार इस संस्थान से जुड़े वैज्ञानिकों के नाम हैं। इस संस्थान ने 1954 में इजराइल में पहला कंप्यूटर बनाया था। संस्थान के अनुसार, हमले में दो इमारतें क्षतिग्रस्त हुईं, जिनमें से एक में जीवन विज्ञान प्रयोगशालाएं थीं और दूसरी इमारत खाली एवं निर्माणाधीन थी। यह रसायन विज्ञान के अध्ययन के लिए थी। दर्जनों अन्य इमारतें क्षतिग्रस्त हुईं। परिसर को हमले के बाद से बंद कर दिया गया है।

इजराइल में अस्पताल पर हमले के बाद तनाव बढ़ा

इससे पहले गुरुवार को इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल कैट्ज ने ईरानी सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को कड़ी चेतावनी दी। यह तब हुआ जब ईरानी मिसाइलों ने दक्षिणी इजराइल में एक बड़े अस्पताल पर हमला किया और तेल अवीव के पास आवासीय इमारतों को निशाना बनाया, जिसमें कम से कम 240 लोग घायल हो गए। कैट्ज ने कहा, ष्इजरायल की सेना को निर्देश दिया गया है और वह जानती है कि अपने सभी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए, इस व्यक्ति को बिल्कुल भी अस्तित्व में नहीं रहना चाहिए।ष इससे शत्रुता में वृद्धि का संकेत मिलता है।

क्या है अराक हेवी वाटर परमाणु संयंत्र ? इज़राइल ने पहले दी वॉर्निंग, फिर बरसाए बम

इजरायली जेट विमानों ने दोनों देशों के बीच संघर्ष के सातवें दिन हवाई हमलों की एक लहर के दौरान मध्य ईरान में निर्माणाधीन एक परमाणु रिएक्टर पर बमबारी की है। इजरायली सेना ने कहा कि उसने अराक भारी जल रिएक्टर के कोर सील को निशाना बनाया ताकि इसका इस्तेमाल परमाणु हथियार विकास के लिए न किया जा सके। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने पुष्टि की है कि रिएक्टर पर हमला किया गया था और इसमें कोई परमाणु सामग्री नहीं थी। IAEA ने कहा कि ईरान ने अराक के कैलेंड्रिया या रिएक्टर कोर को हटा दिया है, और इसे अक्षम बना दिया है।

मई के अंत में वैश्विक परमाणु निगरानी संस्था की नवीनतम तिमाही रिपोर्ट में कहा गया है कि रिएक्टर में मामूली सिविल निर्माण कार्य चल रहा था, और ईरान को उम्मीद है कि इस साल इसे चालू कर दिया जाएगा और 2026 में इसका संचालन शुरू हो जाएगा।

क्या है अराक हेवी वाटर परमाणु संयंत्र?

अराक हेवी वाटर रिएक्टर तेहरान से 250 किलोमीटर (155 मील) दक्षिण–पश्चिम में है। यह कथित तौर पर परमाणु रिएक्टरों को ठंडा करने में मदद करता है और प्लूटोनियम भी बनाता है। ईरान पर लगे प्रतिबंधों के बाद इसका निर्माण रुक गया था। 2015 में पश्चिमी देशों के साथ हुई संधि के बाद ईरान ने फिर से संयंत्र का काम शुरू किया था। रिपोर्ट के मुताबिक, अगले साल इसे शुरू करने की तैयारी थी।

अहम है IAEA की चेतावनी

हालांकि अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) ने हाल ही में चेतावनी दी थी कि वह ईरान के भारी जल उत्पादन की निगरानी ठीक से नहीं कर पा रही है क्योंकि ईरान ने निरीक्षकों पर कुछ पाबंदियां लगा दी हैं। IAEA के निरीक्षकों ने आखिरी बार 14 मई को अराक रिएक्टर का दौरा किया था।

चीन में मूसलाधार बारिश से बाढ़ जैसे हालात, 30 हजार लोगों को बचाया गया; अब तक पांच लोगों की मौत

दक्षिणी चीन के गुआंगडोंग प्रांत में कई दिनों की भारी बारिश के बाद बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। बचावकर्मियों ने हुआइजी काउंटी से लगभग 30,000 लोगों को निकाला। काउंटी की आधे से अधिक सड़कें जलमग्न हो गई। इसके साथ ही बिजली और

इंटरनेट सेवाएं बाधित हो चूंकि हैं। हुआइजी काउंटी गुआंग्शी क्षेत्र की सीमा के पास है। यह गुआंगजौ से लगभग 140 किलोमीटर उत्तर–पश्चिम में स्थित है। यह एक प्रमुख औद्योगिक और बंदरगाह शहर है और प्रांतीय राजधानी भी है।

बाढ़ के पानी में केवल ऊंची इमारतें और पेड़ ही नजह आ रहे

शुई जियांग नदी में भारी उफान के कारण शहरी इलाकों में सड़कों ने नहरों का रूप ले लिया है। हवाई फुटेज में देखा जा सकता है कि कीचड़ के रंग के पानी में केवल ऊंची इमारतें और हरे–भरे पेड़ों की चोटी ही नजर आ रही है। कई इलाकों में जलस्तर इतना अधिक बढ़ गया है कि पानी इमारतों की पहली मंजिल तक पहुंच गया है और कारों की सिर्फ छतें ही दिखाई दे रही हैं।

अलग– अलग घटनाओं में पांच लोगों की मौत

ट्रॉपिकल स्टॉर्म वुटिप के चलते क्षेत्र में भारी बारिश हुई, जिसके बाद इस सप्ताह की शुरुआत में मानसूनी वर्षा ने हालात और बिगाड़ दिए। इस तूफान के कारण ग्वांग्शी प्रांत में दो अलग–अलग स्थानों पर भूस्खलन की घटनाएं हुईं, जिनमें कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई।

एक बचावकर्मी ने चीन के एक डेली समाचार पत्र में दिए साक्षात्कार में बताया कि उनकी टीम को एकअस्पताल से गंभीर रूप से बीमार मरीजों को निकालना था। टीम ने एक नवजात शिशु के साथ एक महिला को दूध पाउडर और पानी पहुंचाया था। इसके अलावा एक स्कूल में उपस्थित दर्जनों बच्चों और बुजुर्गों को भी आपूर्ति भेजी जा रही थी।

जेलेंस्की के साथ समझौते पर पुतिन को संदेह, कहा- संधि पर हों वैध अफसरों के हस्ताक्षर

सेंट पीटर्सबर्ग। यूक्रेन के साथ संघर्ष विराम समझौते पर चर्चा करने के लिए तैयार रूसी राष्ट्रपति पुतिन को यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की की वैधता पर संदेह है। पुतिन का कहना है कि वे जेलेंस्की से वार्ता करने के लिए तैयार हैं, लेकिन उनका राष्ट्रपति पद का कार्यकाल आधिकारिक तौर पर समाप्त हो चुका है। ऐसे में रूस–यूक्रेन के बीच जो भी समझौता हो उस पर वैध अधिकारियों के हस्ताक्षर होने चाहिए। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की का राष्ट्रपति कार्यकाल आधिकारिक तौर पर पिछले साल समाप्त हो गया था। मार्शल लॉ लागू होने के कारण कोई उत्तराधिकारी नहीं चुना गया है। इसे लेकर जेलेंस्की का तर्क है कि वे मौजूदा परिस्थितियों में पद पर बने रह सकते हैं। जबकि यूक्रेनी संविधान में कहा गया है कि ऐसे मामले में राष्ट्रपति की शक्तियों को संसद के अध्यक्ष को हस्तांतरित किया जाना चाहिए। जेलेंस्की ने बार–बार पुतिन के साथ बैठक का आह्वान किया है। अब युद्ध विराम को लेकर रूस–यूक्रेन के बीच वार्ता होने की संभावना है। सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम में पुतिन ने यूक्रेनी नेता की वैधता पर चिंता जताई। पुतिन ने कहा कि अगर यूक्रेन राज्य अपनी ओर से बातचीत करने के लिए किसी को सौंपता है, तो आप अपनी मर्जी से जेलेंस्की को नियुक्त करें। सवाल यह है कि दस्तावेज पर कौन हस्ताक्षर करेगा? उन्होंने कहा कि प्रचार के मामले में कोई भी मौजूदा अधिकारियों की वैधता के बारे में कुछ भी कह सकता है, लेकिन गंभीर मुद्दों से निपटने के दौरान हम कानूनी पहलुओं की परवाह करते हैं, न कि प्रचार की। कई यूक्रेनी अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है। इसलिए जेलेंस्की की संदिग्ध कानूनी स्थिति उनके अधीन काम करने वालों के अधिकार पर संदेह पैदा करती है। पुतिन ने कहा कि हस्ताक्षर वैध अधिकारियों से होने चाहिए। नहीं तो मेरे बाद जो भी आएगा, वह समझौते को कूड़ेदान में फेंक देगा।

रूस ने यूक्रेन को लौटाए 1212 सैनिकों के अवशेष

क्रेमलिन अधिकारी व्लादिमीर मेडिंस्की ने बताया कि रूस ने 1,212 यूक्रेनी सैनिकों के अवशेष वापस कर दिए हैं। रूस के कुर्स्क, डोनेट्स्क, लुगांस्क, खेरसॉन और ज़ापोरोज़े क्षेत्रों के साथ–साथ यूक्रेन के खार्किव क्षेत्र से अवशेष बरामद किए गए। वहीं रूस को आदान–प्रदान के दौरान अपने 27 सैनिकों के अवशेष मिले। यह आदान–प्रदान इस महीने की शुरुआत में इस्तांबुल में हुई चर्चाओं के बाद हुआ। मॉस्को ने पहले 6,000 से अधिक यूक्रेनी शवों को वापस करने की पेशकश की थी, लेकिन कीव पर स्वीकृति में देरी करने का आरोप लगाया। रूसी लेफ्टिनेंट जनरल अलेक्जेंडर जोरिन ने समझौते को बनाए रखने के मॉस्को के इरादे को पूरी तरह से मानवीय कार्रवाई कहा।

फोन पर बातचीत के दौरान शी और पुतिन ने ईरान पर इजराइली हमलों की निंदा की

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और उनके रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन ने ईरान पर इजराली हमलों की बृहस्पतिवार कड़ी निंदा की और तत्काल युद्धविराम की घोषणा करने तथा नागरिकों पर हमलों को रोकने की अपील की। फोन पर हुई बातचीत के दौरान शी ने पुतिन के साथ इजराइल–ईरान युद्ध पर चर्चा की और कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष को रोकने के लिए युद्धविराम एक तात्कालिक प्राथमिकता है और बल प्रयोग अंतरराष्ट्रीय विवादों को हल करने का सही तरीका नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ईरान को चेतावनी और इजराइल द्वारा ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को निशाना बनाए जाने की धमकी के बीच

क्षेत्र में मौजूदा संघर्ष पर शी की यह पहली टिप्पणी है। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय एवं आधिकारिक आवास 'क्रेमलिन' ने कहा कि राष्ट्रपति पुतिन और उनके चीनी समकक्ष शी चिनफिंग ईरान–इजराइल युद्ध पर संवेदनशील जानकारी एक–दूसरे को मुहैया करने के लिए सहमत हुए हैं। क्रेमलिन के विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव ने कहा, ''राष्ट्रपति पुतिन और शी चिनफिंग ने फोन पर घंटे भर हुई बातचीत के दौरान अपनी–अपनी एजेंसियों को ईरान के बारे में जानकारी साझा करने के आदेश जारी करने पर सहमति जताई।'' पिछले हफ्ते इजराइल ने 'ऑपरेशन राइजिंग लॉयन' शुरू किया था, जिसमें ईरान के परमाणु, मिसाइल और सैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया। बाद में, ईरान ने भी इजराइल पर जवाबी हमले किए। बुधवार को रूस और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने इजराइल–ईरान युद्ध को तत्काल समाप्त करने और तेहरान के परमाणु मुद्दे का हल करने के लिए राजनीतिक और कूटनीतिक प्रयासों को तेज करने की अपील की थी। क्रेमलिन के अनुसार, राष्ट्रपति पुतिन ने यूएई के अपने समकक्ष मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ टेलीफोन पर बातचीत के दौरान इस मुद्दे पर चर्चा की।

रूस ने यूक्रेन पर दागीं मिसाइल, जेलेंस्की बोले– युद्ध विराम के लिए पुतिन पर दबाव बनाया जाए

कीव/मॉस्को। रूस–यूक्रेन के बीच जंग थम नहीं रही है। रूस ने यूक्रेन पर एक बार फिर मिसाइलें दागी हैं। कीव में नौ मंजिला अपार्टमेंट पर हुए मिसाइल हमले में 23 लोगों की मौत हो गई। हमले के बाद यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि वैश्विक ताकतों को युद्ध विराम के लिए रूस पर दबाव डाला जाए। जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर लिखा कि यह हमला दुनिया को याद दिलाता है कि रूस युद्ध विराम को अस्वीकार करता है और हत्या का विकल्प चुनता है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।